रोहतक
रविवार 1 फरवरी 2026
माघ मास शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा वर्ष : 29, अंक : 363
पृष्ठ 14 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 23.0
न्यून. 4.5

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

5वां टी-20 : ईशान का 42 गेंदों में शतक

तिरुवनंतपुरम। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 5वें टी-20 में ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों में शतक जड़ दिया। उन्होंने 10 छक्के, 6 चौके के साथ 103 रन बनाए। यह टी20 प्रारूप में उनका पहला शतक है। उन्हें जैकब डफी ने ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराया।

खबर संक्षेप

सीयूईटी यूजी में आवेदन की तारीख आगे बढ़ी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसीने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट अंडरग्रेजुएट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब उम्मीदवार 4 फरवरी रात 11:50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह फैसला शिकायतों और अनुरोधों के बाद लिया गया है, ताकि अधिकतर छात्र बिना किसी तकनीकी परेशानी के आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकें।

सांबा में बॉर्डर पर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन दिखा

श्रीनगर। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन दिखा। ड्रोन चिल्यारी गांव के पास भारतीय इलाके में कुछ मिनट मंडराया और फिर पाकिस्तान की ओर चला गया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने सीमा से लगे इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। जांच की गई कि कहीं हथियार या नशीला पदार्थ तो नहीं गिराया गया। एक दिन पहले भी रामगढ़ सेक्टर के रतनपुर गांव में ऐसा ही संदिग्ध ड्रोन देखा गया था।

पूर्व क्रिकेटर झूलन गोस्वामी को एसआईआर का नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत सुनवाई के लिए नोटिस भेजा गया है। उनके दो भाई-बहनों को भी नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि झूलन के पिता के नाम में गड़बड़ी होने के कारण नोटिस दिया है। इस मामले में टीएमसी ने भाजपा पर राष्ट्रीय खेल आइकन को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण आज रिकॉर्ड 9वीं बार पेश करेंगी बजट

आमजन को मिल सकती हैं कई बड़ी सौगातें

टैरिफ की मार और वैश्विक अनिश्चितता के बीच ग्रोथ बनाए रखना बड़ी चुनौती

विनिर्माण, रक्षा, नवीनीकरणीय ऊर्जा, एमएसएमई और ऑटो सेक्टर पर विशेष ध्यान रखने की संभावना

मेक इन इंडिया के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ईवी, विशेष रसायन क्षेत्रों को मिल सकती है प्राथमिकता

सेंट्रल डेस्क ▶▶| रोहतक

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को देश का बजट प्रस्तुत करेंगी। यह सीतारमण का नौवां बजट होगा, जिससे वे लगातार सबसे अधिक बजट पेश करने वाली वित्त मंत्री का रिकॉर्ड बनाएंगी। वित्त मंत्री बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता और नाजुक व्यापार स्थितियों के बीच पेश करेंगी। लगभग एक दशक में पहली बार केंद्रीय बजट रविवार को प्रस्तुत किया जाएगा। उनका बजट भाषण सुबह लगभग 11 बजे शुरू होने की उम्मीद है। बजट 2026 में विनिर्माण, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, एमएसएमई और ऑटो सेक्टर पर विशेष ध्यान रहने की संभावना है। शहरी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेलवे और कृषि भी प्रमुख फोकस क्षेत्र हो सकते हैं। 'मेक इन इंडिया' के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, ईवी, विशेष रसायन और रक्षा/एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता मिल सकती है।

यह बजट क्यों महत्वपूर्ण है?

आगामी बजट में विकास को समर्थन देने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और अमेरिकी टैरिफ तथा भू-राजनीतिक तनाव जैसे बाहरी झटकों से भारतीय अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के उपायों की रूपरेखा पेश किए जाने की उम्मीद है। यह ऐसे समय में आ रहा है जब सरकार राजकोषीय अनुशासन और निरंतर सार्वजनिक व्यय के बीच संतुलन बना रही है।

इन सेक्टरों में हो सकती है बड़ी घोषणाएं

क्या आयकर में राहत मिलेगी?

- भारत का मध्यम वर्ग आयकर स्लैब में बदलाव और आयकर अधिनियम के तहत मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) में वृद्धि की उम्मीद कर सकता है।
- **स्टार्टअप :** पिछले कुछ वर्षों में भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम ने मजबूत लचीलापन और परिपक्वता दिखाई है। आगामी बजट से अपेक्षा है कि यह गति और मजबूत की जाए और साथ ही आवश्यक सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अधिक सुलभ बनाया जाए।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर :** भारत की अगली इंफ्रास्ट्रक्चर छलांग इस बात से परिभाषित होगी कि हम क्या बनाते हैं से अधिक, हम उसे कितनी विश्वसनीयता से संचालित करते हैं। बजट के पास अवसर है कि वह बुनियादी ढांचे को केवल पूंजीगत व्यय नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक परिचालन प्रणाली के रूप में मान्यता दे।
- **गिग वर्कर्स :** गिग अर्थव्यवस्था विशेषज्ञों को उम्मीद है कि आगामी बजट गिग श्रमिकों के कल्याण पर केंद्रित होगा। भारत की गिग अर्थव्यवस्था लाखों ऐसे श्रमिकों पर आधारित है जो अक्सर अंशकालिक या कई प्लेटफॉर्म पर काम करते हैं। उनके लिए सामाजिक सुरक्षा कठोर पात्रता शर्तों पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।
- **क्विक कॉमर्स :** तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स और हाइपरलोकल रिटेल के लिए अंतिम मील बुनियादी ढांचे, शहरी वेयरहाउसिंग हब में निवेश आवश्यक है।
- **ढुलाई :** बजट बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत के पास एक मजबूत, कुशल और भविष्य के लिए तैयार लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के माध्यम से स्वयं को लचीली अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का अवसर है।
- **चांदी :** भारत अपनी 80% से अधिक चांदी आयात करता है, इसलिए टैरिफ में कोई भी परिवर्तन घरेलू कीमतों और मांग को प्रभावित करता है। वर्तमान में चांदी पर लगभग 7.5% सीमा शुल्क और 3% जीएसटी लागू है।
- **हाउसिंग :** आवास बाजार में प्रीमियमाइजेशन की बढ़ती प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए नीतिगत ढांचे की अपेक्षा है।
- **मोबिलिटी इकोसिस्टम :** मोबिलिटी इकोसिस्टम में तेजी से शहरीकरण, स्वच्छ ऊर्जा वाहनों को अपनाने और प्रगतिशील नीतियों के कारण बड़ा परिवर्तन हो रहा है। उद्योग को साझा और तकनीक-आधारित मोबिलिटी समाधानों के लिए निरंतर समर्थन की उम्मीद है।

प्रदेश सरकार ने बढ़ाया योजना का दायरा

अब 8 लाख सालाना आय वालों को भी चिराग का लाभ

> योजना में पहले एक साल में 1.80 लाख रुपये आय वाली फैमिली आती थी

> 32 लाख परिवारों को होगा फायदा, 12वीं क्लास तक फीस में मिलेगी छूट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने चिराग योजना की सीमा को बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया है। इससे प्रदेश के करीब 32 लाख परिवारों को लाभ मिलेगा। प्राइमरी एजुकेशन डिपार्टमेंट ने सभी डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर (डीईओ) और प्राइमरी एजुकेशन ऑफिसर (डीईईओ) को इसके लिए लेटर भी जारी कर दिया है। योजना में पहले एक साल में 1.80 लाख रुपये इनकम वाली फैमिली आती थी। इसमें प्रदेश सरकार सेकेंड क्लॉस से लेकर 12वीं तक के स्टूडेंट की फीस का भुगतान करती है। जिसमें फीस के रुपये सीधे स्कूलों को दिए जाते हैं। इसमें शामिल होने के लिए स्टूडेंट के साथ पेरेंट्स भी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अगर स्कूल में तय सीट से ज्यादा रजिस्ट्रेशन रहे तो लकी ड्रा के माध्यम से एडमिशन दिया जाएगा। वहीं स्कूलों को 15 अप्रैल तक सारी प्रोसेस पूरी करनी होगी।

पढ़िए क्या है चिराग योजना

प्रदेश भर में गरीब बच्चों को चिराग योजना के तहत शिक्षा विभाग द्वारा प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन दिया जाता है। इस योजना से पहले ये एडमिशन नियम-134ए के तहत होते थे। सरकार ने नियम-134ए खत्म कर चिराग योजना की शुरुआत की है। इस योजना में सरकार दूसरी कक्षा से लेकर पांचवीं तक के हर स्टूडेंट को 700 रुपये, कक्षा छठी से आठवीं तक 900 रुपये और कक्षा नौवीं से 12वीं तक के हर स्टूडेंट को 1100 रुपये प्रति माह फीस के रूप में प्राइवेट स्कूलों को देती है।

10 मार्च तक देनी होगी डिटेल

सरकार ने प्राइवेट स्कूलों से इस योजना में शामिल बच्चों के लिए 15 फरवरी तक आवेदन मांगे हैं। इसके बाद स्कूलों को 1 से 15 अप्रैल के बीच एडमिशन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद योजना में शामिल बच्चों की तय फीस सरकार सीधे स्कूलों को भेजेगी।

महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा बनीं उपमुख्यमंत्री

मुंबई। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे। इससे पहले दिन में एनसीपी विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी। जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी सीएम की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। अजित पवार की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी सीएम पद खाली हो गया था। *(संबंधित खबर पेज-5 पर)*

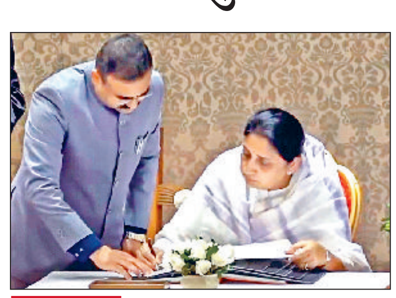

■ राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में दिलाई शपथ

राज्यसभा सांसद के पद से दिया इस्तीफा

डिप्टी सीएम की शपथ लेने से पहले सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया। सुनेत्रा 18 जून 2024 को राज्यसभा सांसद बनीं थीं।

खेतों में जमा पाला

कई जगह छाया घना कोहरा, आज कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कई जिलो में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। पानीपत, सोनीपत, करनाल समेत जीटी रोड बेल्ट में जीरो विजिबिलिटी रही। वहीं खेतों में सुबह पाला भी दिखाई दिया। इससे प्रदेश भर में हल्की ठंड बनी हुई है। हालांकि कई जिलों में सुबह के समय मौसम साफ रहा, हिसार फरीदाबाद और गुरुग्राम में सुबह से ही हल्की धूप रही। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दक्षिण हरियाणा के महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नूंह और पलवल जिलों में रविवार को बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने कल यानी 1 फरवरी को अधिकांश जिलों में बारिश और ओले गिरने की संभावना जताई है। प्रदेश भर में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसका असर खासकर खेतों में खड़ी फसलों और खुले में बंधे पशुओं पर पड़ सकता है।

■ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

ट्रांसफर ड्राइव में मनमानी पर ब्रेक

6 माह में तबादला असंवैधानिक, नीति से ऊपर कोई आदेश नहीं : हाईकोर्ट

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड की ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव में सामने आई अनियमितताओं पर प्रहार करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि नीति से ऊपर कोई भी प्रशासनिक सुविधा या तात्कालिक आदेश नहीं हो सकता। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने असमर सिंह व अन्य के मामले में कहा कि नव-प्रमोटेड जूनियर इंजीनियर्स को महज़ छह माह में नेशनल कैटेगरी में डालना न केवल भेदभावपूर्ण है बल्कि स्वयं निगम की ट्रांसफर पॉलिसी, 2025 का खुला उल्लंघन है। अदालत ने कहा जब नीति न्यूनतम दो वर्ष का कार्यकाल तय करती है तो उसे तोड़कर लिया गया कोई भी निर्णय न्यायिक कसौटी पर टिक नहीं सकता। याचिकाकर्ताओं के वकील कर्मबीर बनियाना का आरोप था कि कट-ऑफ 31.12.2025 तय होने के बावजूद निगम ने 31.10.2025 तक का ही डेटा लेकर उनकी वरिष्ठता और कार्यकाल को गलत ढंग से प्रभावित किया। यही नहीं, 20.12.2024 को नियुक्त अन्य जूनियर इंजीनियर्स और 28.08.2025 को ट्रांसफर हुए जेई-1 जैसे समान स्थिति वाले कर्मचारियों को सूची से बाहर रखा गया जो चयनात्मकता और स्पष्ट भेदभाव को उजागर करता है।

जब नीति न्यूनतम दो वर्ष का कार्यकाल तय करती है तो उसे तोड़कर लिया गया निर्णय गलत

केदारनाथ धाम में मोबाइल पर बैन

मंदिर परिसर में रील बनाई या फोटो खींची तो लगेगा जुर्माना

देहरादून (एजेंसी)। बाबा केदार के दर्शनों के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों को अब मंदिर के भीतर और परिसर में मोबाइल या कैमरा ले जाने की अनुमति नहीं होगी। यह कदम धाम की गरिमा बनाए रखने और श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के दर्शन कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। कई बार श्रद्धालु भक्ति के बजाए रील बनाने और फोटोग्राफी में ज्यादा व्यस्त नजर आते हैं, जिससे न केवल मंदिर की मर्यादा प्रभावित होती है, बल्कि कतार में लगे अन्य भक्तों को भी अनावश्यक देरी और परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रील बनाने वालों के कारण भक्तों को होती है परेशानी

इजराइल बोला- इसमें हमारा रोल नहीं

ईरान के 7 शहरों में धमाके 6 की मौत, 14 लोग घायल

तेहरान। ईरान के कम से कम 7 शहरों में धमाकों की खबर है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को राजधानी तेहरान, परंद, तबरीज, कोम, अहवाज, नंताज और बंदर अब्बास में विस्फोट हुए। तुर्किये की न्यूज एजेंसी अनादोलु के अनुसार धमाकों में कम से कम 6 लोगों की मौत हुई है और 14 घायल हैं। हालांकि, अभी ईरान सरकार की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। वहीं इजराइल के दो अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि इन विस्फोटों में इजराइल शामिल नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई पर रोक लगाई

रेलूराम हत्याकांड के दोषी बेटी व दामाद की जमानत पर रोक

हिसार (हरिभूमि न्यूज)। पूर्व विधायक रेलूराम हत्याकांड मामले में दोषी बेटी सोनिया और दामाद संजीव की बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। साथ ही पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को समयपूर्व हुई रिहाई पर दोबारा विचार करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने 9 दिसंबर को उम्रकैद की सजा काट रहे संजीव और सोनिया को 2 महीने की अंतरिम जमानत दी थी। इसके बाद रेलूराम के भतीजों ने सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले तो को चुनौती दी थी। हालांकि जस्टिस दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि कंटमप्रेरी अथॉरिटी द्वारा रिव्यू प्रोसेस जारी रहेगी, मगर अंतिम निर्णय को पब्लिक नहीं किया जाएगा।

हाईकोर्ट को दोबारा विचार करने के आदेश

रिसर्च | इंट्रावीनस लिपिड इमल्शन देने पर मौत का खतरा हुआ कम

एलुमिनियम फॉस्फाइड घातक जहर

अब बचा सकेंगे सल्फास खाने वाले को चंडीगढ़ पीजीआई ने खोजी नई तकनीक

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टरों ने सल्फास (एल्यूमिनियम फॉस्फाइड) जहर के इलाज में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह जहर देश में सबसे घातक जहरों में गिना जाता है। पीजीआई के इंटरनल मेडिसिन विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पहली बार यह साबित हुआ है कि इंट्रावीनस लिपिड इमल्शन नामक थेरेपी इस जानलेवा जहर में मरीजों की जान बचाने में प्रभावी साबित हो सकती है। इस रिसर्च को एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल में जगह मिली है, जिससे उत्तर भारत की गंभीर स्वास्थ्य समस्या पर किए गए इस काम को पहचान मिली है।

मौत की दर घटी, मरीजों की हालत में सुधार

डॉ. मनदीप सिंह भाटिया

इंटरनल मेडिसिन विभाग ने किया शोध

जिन मरीजों को सामान्य इलाज के साथ इंट्रावीनस लिपिड इमल्शन दिया गया, उनमें मौत का खतरा काफी कम हो गया। इसके साथ ही गंभीर एसिडिटी, ब्लड प्रेशर और हार्ट की समस्याओं में तेजी से सुधार देखा गया। इलाज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इंट्रावीनस लिपिड इमल्शन सस्ती है और देश के अधिकांश अस्पतालों में पहले से उपलब्ध रहती है। जिला अस्पतालों और छोटे स्वास्थ्य केंद्रों में भी यह आसानी से मिल जाती है। रैंडमाइज्ड क्लिनिकल स्टडी का नेतृत्व इंटरनल मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मंदीप सिंह भाटिया ने किया।

कम लागत और आसान उपलब्धता

कम लागत और आसान उपलब्धता के कारण यह थेरेपी ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी जान बचाने में बेहद कारगर साबित हो सकती है, जहां सल्फास जहर के मामले ज्यादा सामने आते हैं और उन्नत इलाज की सुविधाएं सीमित होती हैं। नई शोध से सल्फास से होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी।

हाई ब्लड प्रेशर के मरीज का किया सफल इलाज

हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप के इलाज के क्षेत्र में पीजीआई चंडीगढ़ ने एक अहम उपलब्धि दर्ज की है। संस्थान के एडवांस्ड कार्डियक सेंटर में पहली बार रीनल डिनर्वेशन (आरडीएन) तकनीक के जरिए एक मरीज का सफल उपचार किया गया है। यह प्रक्रिया 48 वर्षीय उस मरीज पर अपनाई गई, जो लंबे समय से गंभीर और अनियंत्रित हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहा था। बताया गया कि मरीज कई तरह की ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने वाली दवाइयों का नियमित सेवन कर रहा था, इसके बावजूद उसका बीपी सामान्य स्तर पर नहीं आ पा रहा था। डॉक्टरों ने आरडीएन प्रक्रिया को अपनाने का निर्णय लिया। यह अत्याधुनिक प्रक्रिया डॉ. सौरभ मेहरोत्रा, प्रोफेसर, एडवांस्ड कार्डियोलॉजी सेंटर द्वारा की गई, जो कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. यश पाल शर्मा की देखरेख में संपन्न हुई।

खबर संक्षेप

गलत रजिस्ट्री करने पर तहसीलदार गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा में पंचकूला रायपुर रानी तहसीलदार को एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। तहसीलदार विक्रम पर आरोप है कि उन्होंने 17 बीघा जमीन की गलत तरीके से रजिस्ट्री करने का काम किया है। बताया गया है कि पूरा मामला काफी पुराना है, जिसमें जांच चल रही थी। सूत्रों के अनुसार 2017 में रायपुर रानी तहसील से जुड़े मामले में सीबीआई जांच के बाद जमीन पर स्टे लगाया गया था। उसके बाद भी तहसीलदार विक्रम सिंगला ने जमीन के रजिस्ट्री हांसी के बड़ाला गांव के रहने वाले नवीन के नाम पर कर दी थी।

13 मार्च को हांसी में युवा सम्मेलन करेगी जेजेपी

चंडीगढ़। जजपा 13 मार्च को पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन को युवा प्रेरणा दिवस के रूप में मनाएगी और हांसी में युवा सम्मेलन करेगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने इस बारे में जानकारी दी। वे शनिवार को जजपा की नवगठित युवा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद पत्रकारों से रूबरू थे। जजपा प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला व अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में जेजेपी ने संगठन मजबूती पर फोकस करते हुए आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की।

पशुधन प्रदर्शनी 6 से 8 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में

चंडीगढ़। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड मेला ग्राउंड (कुरुक्षेत्र) में आगामी 6 फरवरी से 8 फरवरी तक तीन दिवसीय 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में प्रदेश भर से उत्तम गुणवत्ता वाली नस्ल के लगभग 1500 पशु विभिन्न श्रेणियों में भाग लेंगे। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उत्तम नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन कर नस्ल सुधार के लिए पशुपालकों को प्रेरित करना तथा दूध उत्पादन में वृद्धि कर किसानों की आय बढ़ाना है।

अबैध शराब की बिक्री रोकना प्राथमिकताः विर्क

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के करनाल और रोहतक रेंज के आई ओ की समीक्षा बैठक हरियाणा पुलिस अकादमी परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवदीप सिंह विर्क ने कहा कि अवैध माइनिंग और अवैध शराब की बिक्री को रोकथाम हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अभियान चलाकर बिजली चोरी रोकनी हमारी प्राथमिकता में होनी चाहिए।

राज्यपाल ने दृष्टिबाधित बच्चों को ग्लासेस वितरित किए

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने गुरुग्राम के सेक्टर-64 स्थित औरेना कन्वेंशन सेंटर में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 3011 द्वारा आयोजित वार्षिक जिला सम्मेलन 'अभ्युदय' में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए उन्होंने सेवा, एकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और समावेशी विकास को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। सम्मेलन के दौरान सामाजिक सरोकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलों के अंतर्गत राज्यपाल ने 1000 बालिकाओं को साइकिलें वितरित कीं। इससे बालिकाओं की स्कूल तक पहुंच सुगम होगी और उनकी शिक्षा निरंतर जारी रह सकेगी। लगभग 200 मेटा ग्लासेस प्रदान किए गए।

39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर मेले का रंगारंग आगाज

वसुधैव कुटुंबकम के शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता सूरजकुंड शिल्प मेलाः उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

15 फरवरी तक चलने वाले मेले में इस वर्ष यूपी और मेघालय' थीम राज्य हैं

बिजेन्द्र शर्मा ▸▸ फरीदाबाद

गोहाना की प्रसिद्ध जलेबी की मिठास के बीच फरीदाबाद के सूरजकुंड में 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव की शुरुआत हो गई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 'लोकल से ग्लोबल- आत्मनिर्भर भारत' थीम पर आधारित इस महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विरासत एवं पर्यटन मंत्री अरविंद कुमार शर्मा भी मौजूद रहे। उद्घाटन करने उपरांत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला दशकों से भारत की सांस्कृतिक आत्मा, कलात्मक उत्कृष्टता और सभ्यतागत निरंतरता का जीवंत प्रतीक रहा है। यह उत्सव वसुधैव कुटुंबकम के उस शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता है, जिसमें पूरी दुनिया को एक परिवार माना गया है। यह मेला निर्माण करने वाले हाथों, नवाचार से भरे मस्तिष्कों और हमारी पहचान गढ़ने वाली परंपराओं को एक सांझा मंच पर एकत्र करता है। पिछले लगभग चार दशकों से यह आयोजन हमारे कारीगरों, बुनकरों, मूर्तिकारों, चित्रकारों और लोक कलाकारों को वैश्विक पहचान दिला रहा है, जिनमें से अनेक पीढ़ियों से चली आ रही कलाओं को जीवित रखे हुए हैं।

फरीदाबाद। सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सीएम नायब सिंह सैनी व अन्य लोग।

सूरजकुंड शिल्प मेला हमारी प्राचीनता और आधुनिकता का संगमः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिल्प मेले के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सूरजकुण्ड शिल्प मेला हमारी प्राचीन विरासत और आधुनिक सोच का सजीव संगम है। पिछले 38 वर्षों से यह मेला भारतीय लोक कला, संस्कृति और शिल्प परंपराओं को न केवल संरक्षित कर रहा है, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी और वैश्विक मंच से भी जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम लोकल टू ग्लोबल और आत्मनिर्भर भारत की पहचान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को साकार करती है, जिसके तहत देश के हर कोने में बसे हुनरमंद कारीगर के हाथों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिल सके। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक स्वावलंबन तक सीमित नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति पर गर्व, अपनी विरासत का संरक्षण और उसे विश्व के समक्ष आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने का संकल्प है।

सहयोग और समागम से समृद्ध होती हैं सभ्यताएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभ्यताएं समागम और सहयोग से ही समृद्ध होती हैं। इसलिएए इस दिशा में दुनिया के दूसरे सभी देशों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस बार सूरजकुण्ड शिल्प मेला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक समृद्ध हो रहा है, जिसमें सहयोगी देश के रूप में हमारे मित्र राष्ट्र मिस्र की विशेष भागीदारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मिस्त्र विश्व की प्राचीनतम और गौरवशाली सभ्यताओं में से एक है, जोकि आधुनिकता के साथ साथ अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ अफ्रीका और मध्य पूर्व के बीच एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहा है।

कुरुक्षेत्र के उमरी में राज्य स्तरीय गुरु रविदास जयंती समारोह में बोले मुख्यमंत्री

5 एकड़ भूमि पर 124 करोड़ रुपये से किया जाएगा गुरु रविदास धाम का निर्माण

सरकार रविदास जी के समानता समरसता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर चल रही

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु रविदास जी के समानता, समरसता व सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर चलते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार अंत्योदय के लिए वचनबद्ध है। कुरुक्षेत्र के उमरी में 5 एकड़ भूमि में 124 करोड़ रुपये से गुरु रविदास धाम का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने प्रथम चरण में 90 करोड़ रुपये के कामों के टेंडर जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 20 वर्षों से एक स्थान पर रहने वाले अनुसूचित जाति के लोगों को पॉलिसी बनाकर मालिकाना हक दिया जाएगा। एससी कम्पोनेंट प्लान के पैसों को एससी समाज के लिए ही प्रयोग करने के लिए सेशन सत्र में प्रावधान लाकर लागू किया जाएगा। औद्योगिक व व्यावसायिक प्रयोग के लिए एचएसआईआईडीसी में पॉलिसी बनाकर छूट का प्रावधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति की नौकरियों की क्लास ए व बी में पदोन्नति व क्रीमीलेयर के मापदंडों को 31 मार्च 2026 तक निर्धारित किया जाना है, इसके लिए सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, उन सुझावों के आधार पर मांग को पूरा किए जाने की कोशिश की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को कुरुक्षेत्र के उमरी में आयोजित संत गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने संत रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शत शत नमन किया।

चंडीगढ़। संत रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी।

सरकार ने 217 वादे किए थे, 54 पहले ही पूरे हो चुके हैंः सीएम

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में 'नॉन-स्टॉप' हरियाणा सरकार 2047 तक 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' के विज़न को साकार करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। गत विधानसभा चुनावों का ज़िक्र करते हुए, सैनी ने कहा कि बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में हरियाणा के लोगों से 217 वादे किए थे। इनमें से 54 वादे पहले ही पूरे हो चुके हैं, जबकि बाकी वादों पर तेज़ी से काम चल रहा है। इसके उलट, पड़ोसी राज्य पंजाब और हिमाचल प्रदेश में, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्रों में किए गए वायदे ज़्यादातर कागज़ों पर ही रह गए हैं।

गुरु जी की वाणी, आदर्श और शिक्षाएं अमर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु रविदास जी का जन्म आज से लगभग 648 वर्ष पहले माघ पूर्णिमा के पावन दिन काशी की पुण्य भूमि पर हुआ था। उनका व्यक्तित्व पूर्णिमा के चन्द्रमा की तरह शीतल एवं उज्ज्वल रहा। उनकी वाणी, आदर्श और शिक्षाएं अजर-अमर हैं। वे केवल अपने युग के संत नहीं थे, बल्कि हर युग के लिए मानवता के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी बचपन से ही दयालु व परोपकारी स्वभाव के रहे।

गुरु रविदास जी संत होने के साथ ही समाज सुधारक और विचारक थे : मनोहर लाल

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गुरु रविदास जी संत तो थे ही, इसके साथ ही एक समाज सुधारक और विचारक भी रहे। संत रविदास का 15वीं शताब्दी में वाराणसी में जन्म हुआ था। अब वाराणसी में पूर्णिमा को मेले का आयोजन किया जाता है और दूर दराज से लोग वहां पर जाते हैं। यह समाज के लिए प्रेरणादायक है। गुरु रविदास जी संत होने के साथ ही समाज सुधारक और विचारक थे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जो नागरिक रविदास जी के संस्कारों व शिक्षाओं को मानते हैं, वो जाति से बाहर निकलें। रविदास के संस्कारों में दृढ़ता थी, वह जाति पाति में विश्वास नहीं रखते थे। उनकी शिक्षाओं में प्रचलित है। समाज के अंदर अच्छा व्यक्ति किसी भी जाति का हो सकता है। प्रत्येक व्यक्ति हमेशा संस्कारों और अपने अच्छे विचारों से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संतों की शिक्षाओं पर चलते हुए बिना खर्ची पर्ची के नौकरियां दी गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने हर वर्ग के लिए योजनाएं तैयार की हैं और आगे भी प्रत्येक वर्ग के लिए योजनाओं को तैयार किया जाएगा।

मोरनी हिल्स मामले में चीफ जस्टिस ने स्वयं लिया संज्ञान

वन व वन्यजीव विभाग की सचिव त्यागी को अवमानना नोटिस जारी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ चंडीगढ़

सात महीने बाद भी हरियाणा सरकार की ढिलाई पर हाईकोर्ट सख्त

मोरनी हिल्स को रिज़र्व फॉरेस्ट घोषित करने के हाईकोर्ट के ऐतिहासिक आदेश के सात महीने बाद भी हरियाणा सरकार की ढिलाई पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश शील नागु और न्यायमूर्ति सुमीत गोयल की खंडपीठ ने राज्य के रवैये को जानबूझकर देरी करार देते हुए वन एवं वन्यजीव विभाग की सचिव वास्वी त्यागी के खिलाफ संज्ञान लेकर अवमानना का नोटिस जारी कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि अब इस मामले में कोई बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा और अगली सुनवाई 20 फरवरी 2026 को होगी। हाईकोर्ट ने 20 जून 2025 को विजय बंसल मामले में अंतिम आदेश पारित करते हुए कहा था कि मोरनी हिल्स की अधिसूचित भूमि को वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत 31 दिसंबर 2025 तक रिज़र्व फॉरेस्ट घोषित किया जाए।

कोविड ने छीनी सांसें, कानून ने दिलाया अधिकार

मेडिकल सर्टिफिकेट के नाम पर कम्यूटेशन रोकना गलतः हाईकोर्ट

बिजली निगम ने याचिकाकर्ता के दिवंगत पति को कम्यूटेशन लाभ देने से इनकार कर दिया था

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अत्यंत मानवीय और न्यायसंगत फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि जब किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी को पेंशन कम्यूटेशन का अधिकार विधिवत रूप से मिल चुका हो, तो केवल कोविड जैसी असाधारण परिस्थितियों के कारण मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट न बन पाने के आधार पर उसकी विधवा को उस वैधानिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें याचिकाकर्ता सरिता के दिवंगत पति को कम्यूटेशन लाभ देने से इनकार कर दिया गया था। अदालत ने निगम को निर्देश दिया कि वह 1 मार्च 2021 के स्वीकृति आदेश के अनुसार नियमित पेंशन, डीसीआरजी और कम्यूटेशन राशि का भुगतान करे तथा मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट की शर्त को हटाए। याचिकाकर्ता के पति दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में डिवीजनल अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थे और 31 दिसंबर 2015 को सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने नियमानुसार 40 प्रतिशत पेंशन के कम्यूटेशन के लिए आवेदन किया था, जिसे विभाग ने प्रक्रिया में लिया, लेकिन उनके विरुद्ध चली विभागीय जांच के चलते मामला लंबित रहा।

आर्थिक सर्वे में उजागर हुई सरकार की वित्तीय योजनाओं की खामियां : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा सांसद सैलजा ने बयान में कहा कि प्रदेश के अनेक किसान आज भी अपने वैधानिक मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बार-बार आश्वासन के बावजूद भुगतान में देरी सरकार की प्राथमिकताओं पर प्रश्न खड़े करती है। 'लाडो लक्ष्मी' जैसे वादों में शर्तें जोड़कर लाभ को टालना महिलाओं के विश्वास को ठेस पहुंचाता है और आर्थिक सर्वे में व्यक्त चिंताओं को पुष्ट करता है। सैलजा ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि लोककल्याण योजनाएं केवल घोषणा नहीं, बल्कि पारदर्शी बजट प्रबंधन, समयबद्ध क्रियान्वयन और जवाबदेही के साथ लागू हों। किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को उनका अधिकार बिना जटिलताओं के मिलना चाहिए, तभी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। सांसद ने हरियाणा सरकार की नीतियों पर कहा कि अब सरकार के पास सिर्फ कर्ज बढ़ाने का रास्ता बचा है।

आप नेता अनुराग ढांडा ने फरीदाबाद घटना को लेकर बोला हमला

भाजपा राज में गरीब की लाश ठेले पर, एंबुलेंस तक का इंतजाम नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ चंडीगढ़

इलाज नहीं एंबुलेंस नहीं, तो सरकार किस बात की

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने फरीदाबाद से सामने आई अमानवीय घटना पर गहरा आक्रोश जताते हुए कहा कि यह दृश्य हरियाणा की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की संवेदनहीन सोच का आईना है। सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान एक गरीब मजदूर की पत्नी की मौत हो गई, लेकिन सरकारी एंबुलेंस न मिलने पर परिवार को महिला का शव सब्जी बेचने वाले ठेले पर गांव तक ले जाना पड़ा। सबसे दर्दनाक तस्वीर यह थी कि 12 साल का बेटा ठेले पर रखी अपनी मां की लाश को कपड़े से ढकता रहा। यह कोई तस्वीर नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की असफल स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत है। अनुराग ढांडा ने कहा कि जिस राज्य में सरकार बड़े-बड़े दावे और विज्ञापन करती है, वहां गरीब आदमी को अपनी पत्नी का शव ठेले पर ले जाना पड़े, इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों का यह कहना कि "डेडबॉडी ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं है। सीधे-सीधे सरकार की नाकामी और गैर-जिम्मेदारी को उजागर करता है। इलाज में परिवार के सारे पैसे खर्च हो चुके थे, प्राइवेट एंबुलेंस ने 700 रुपये मांगे, जो देने की स्थिति में परिजन नहीं थे। यह भाजपा शासन में गरीब की मजबूरी और बेबसी की कहानी है। उन्होंने कहा कि मौत के बाद भी इस परिवार को चैन नहीं मिला। श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए 5,500 रुपये मांगे गए, जिसके लिए परिजनों को फिर से लोगों से चंदा इकट्ठा करना पड़ा। सवाल यह है कि क्या हरियाणा में गरीब की जिंदगी के साथ-साथ उसकी मौत भी सरकार के लिए बोझ है? क्या मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ऐसे परिवारों की पीड़ा दिखाई नहीं देती, या फिर सत्ता की कुर्सी में बैठकर संवेदनाएं खत्म हो चुकी हैं।

ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता बरतने पर जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग का एक्सईन निलंबित

चंडीगढ़। सरकार ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में एक्सईन के पद पर कार्यरत सूर्या कांत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एक्सईन के पास पीएचईडी नंबर-1, भिवानी का अतिरिक्त प्रभार भी था। यह कार्रवाई हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के नियम-5 के अंतर्गत की गई है। अधिकारी के विरुद्ध कुल 6 चार्जशीट जारी हुई थी, जिनमें से 3 चार्जशीट के तहत लगे आरोप सही पाए गए है। ऐसे में हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड एवं अपील) नियम-7 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। चार्जशीट में कहा गया है कि अधिकारी सूर्या कांत ने ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता बरती है। इसके अलावा प्रशासनिक अनियमितताएं, जनता की शिकायतों की अनदेखी करना, सीएम विंडो एवं जनसंवाद से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही तथा विभिन्न परियोजनाओं के समुचित सुपरविजन में कमी शामिल है। इसके अतिरिक्त यह भी पाया गया कि 26 जनवरी 2026 को, जब लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा भिवानी दौरे पर थे और आम जनता की शिकायतें सुनी जानी थीं, उस दौरान संबंधित अधिकारी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए।

कार्यालय नगर परिषद भिवानी

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा नगर परिषद भिवानी क्षेत्र में स्थित आबादी देह तथा लाल डोरा के अन्तर्गत आने वाली सम्पतियों के अभियोगियों को सम्पति प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाने हैं।

नगर परिषद भिवानी के अन्तर्गत आने वाली सभी सम्पति आई०डी० जो कि लाल डोरा में स्थित हैं की सूची सम्पूर्ण विवरण सहित (कुल 47 आवेदन पत्र) नगर परिषद भिवानी के नोटिस बोर्ड, अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय, भिवानी, जिला नगर आयुक्त, भिवानी, कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर व उपमण्डल अधिकारी (ना०), भिवानी के नोटिस बोर्ड पर दिनांक 02.02.2026 को प्रकाशित / चस्पा कर दी जायेगी। आप इस सूची का अवलोकन करके यदि सम्पति आई०डी० में दर्ज विवरण जैसे स्वामी के नाम, सम्पति का क्षेत्रफल, सम्पति में दर्ज मोबाइल न०, सम्पति की श्रेणी आदि विवरण को लेकर 15 दिन के अन्दर-2 (दिनांक 02.02.2026 से 16.02.2026, सांय 5 बजे) तक नगर परिषद कार्यालय भिवानी में अपने दावे/आपत्तियां लिखित में दर्ज करवा सकते हैं।

क्र०सं०	नगर परिषद	स्थान	कर्मचारी का नाम
1	भिवानी	कमरा नं.-1	श्री अशोक सांगवान, कर अधीक्षक मोबाईल न० -9812346346 व श्री नीरज, लिपिक मोबाईल नं० -7404246270 नगर परिपद भिवानी।

सम्पति के स्वामित्व को सिद्ध करने हेतू शहरी स्थानीय निकाय विभाग, पंचकूला द्वारा जारी पत्र क्रमांक DULB/DMC-HQ/2024/142 दिनांक 12.03.2024 में दिए गए निर्देशानुसार आपको निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे-

1. पिछले 10 वर्षों का बिजली बिल ।
2. पिछले 10 वर्षों का पानी का बिल।
3. कोई भी सरकार द्वारा जारी किया गया दस्तावेज जैसे वोटर कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, पासपोर्ट, जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र आदि जिसमें पता शमिल हो।

अधिकार के पिछले 10 वर्षों का पता लगाने के लिए आवश्यक वस्तावेज :-

1. पिछले 10 वर्षों के अधिकार का पता लगाने के लिए सम्पति कर की रसीदें।
2. पिछले 10 वर्षों के अधिकार का पता लगाने के लिए निर्मित संरचना प्रमाण पत्र।

दावाकर्ता द्वारा प्रदान किए जाने वाले दस्तावेजों की वांछनीय सूची निम्नलिखित हैः-

1. बिक्री विलेख / हस्तांतरण विलेख।
2. हस्तांरण विलेख/त्याग विलेख / मुक्ति विलेख/जमाबंदी/फरद ।
3. राजस्व अधिकारी के साथ पंजीकृत अदालत का आदेश।
4. रजिस्ट्री/बिक्री विलेख।

नोटः- मूल मालिक की मृत्यु के मामले में उपयुक्त उल्लेखित दस्तावेजों के साथ-2 सक्षम राजस्य प्राधिकरण, सिविल अदालत से जारी कानूनी / सिविल अदालत से जारी कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जरूरी है।

हस्ता/- कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद भिवानी।

सरकार एआई, साइबर सुरक्षा सहित कई कोर्सेज शुरू करेगी

कई राज्यों की पुलिस और सुरक्षा को लेकर निजी कंपनियों की ओर से लगातार की जाती है युवाओं की मांग

योगेंद्र शर्मा ▸▸ चंडीगढ़

हरियाणा प्रदेश का तकनीकी शिक्षा विभाग आने वाले वक्त में युवाओं को अपने पैरों पर खड़े करने और परंपरागत कोर्सेज से अलग हटकर कई अहम डिप्लोमा कार्यक्रम चलाने जा रहा है, जिनकी सरकारी विभागों को ही नहीं बल्कि निजी कंपनियों में भी भारी डिमांड है। इस क्रम में युवाओं को इसरो और आईआईटी दिल्ली सहित कई अहम स्थानों पर विजिट कराई गई है। अर्थात पुराने कोर्स तो जारी रहेंगे ही उनके साथ साथ में बदलते वक्त में कोर्सेज को अपडेट करने के साथ ही इस युग में साइबर फोरेंसिक और सूचना सुरक्षा का कोर्स कराने की तैयारी हो गई है। हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग की कमान संभाल रहे प्रभजोत सिंह का कहना है कि हम युवाओं को साइबर कानून, हैकिंग, नेटवर्किंग सूचना सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक सहित कई अन्य नए विषयों को लेकर विभाग ने अप्रूवल ले ली है। जिसके कारण अच्छे कोर्स में डिप्लोमा करने के बाद में उन्हें साइबर सुरक्षा फील्ड में नौकरी के नए अवसर मिलेंगे। निदेशक का कहना है कि प्रदेशभर में बीटेक कॉलेजों में वर्तमान जरूरतों के हिसाब से नए कोर्स आएं। एआईसीटी से हमने अप्रूवल ले ली है। सरकारी कॉलेजों, यूनिवर्सिटीज और आईटीआई में नई तकनीक इलेक्ट्रानिक्स फील्ड, मार्केट में जो भी लेटेस्ट मार्केट में उपलब्ध हैं, वे उपलब्ध कराने की योजना है। लोगों में सामान्य तौर पर भी जागरूकता आएगी।

कई स्थानों पर युवाओं की कराई जा रही ट्रेनिंग

विभाग जैसे जैसे परिवर्तन हो रहे हैं, उसके हिसाब से बदलाव करने के लिए होमवर्क कर चुका है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और एसीएस से पर्मिशन लेने के बाद में आईआईटी दिल्ली, इसरो, मोहाली और कईं स्थानों पर युवाओं को ले जाकर ट्रेनिंग कराई जा रही हैं। आने वाले वक्त में चार कोर्स लांच होंगे, जिसके लिए शिक्षक और स्टाफ भी रखा जाएगा। डिजीटल अरेस्ट, साइबर फोरेंसिक, सूचना सुरक्षा की दिशा में कईं कदम उठा रहे हैं।

प्रदेश में साइबर क्राइम के 1.42 लाख मामले

प्रदेश के अंदर साइबर क्राइम के मामले कम नहीं हैं। गत वर्ष अर्थात 2024 की बात करें, तो एक लाख 41 हजार 685 मामले दर्ज किए गए थे। इस तरह से लगभग नौ फीसदी का उछाल 24 में आया था। केस दर्ज करने के मामले भी 12 फीसदी से ज्यादा बढ़े हैं। इस साल 6212 केस फाइल दर्ज किए गए जबकि 356 मामलों में पुलिस ने खुद संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है। मामलों में जल्द से जल्द सूचना देने व लोगों को सजग करने की मुहिम चला रही है, उसके बाद भी अपराध घटित हो रहे हैं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सुचना संख्या ETrU-T-13-2025-26

वरि. मंडल विद्युत अभियंता/क.वि./उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की और से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–टेंडरिंग के माध्यम से निविदाये आमंत्रित करते है। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया जा सकता। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्रम सं0	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि	लगभग लागत	धरोहर राशि	कार्य पूरा करने की अवधि	वैधता अवधि	टेण्डर फॉर्म की कीमत
1.	ETrU-T-13-2025-26	अंबाला डिवीजन में KRLI-GANL स्टेशन (फेज 1) के बीच KRLI-ANSB सेक्शन में जहां कॉन्टैक्ट वायर की ऊंचाई ज़रूरी लेवल से कम हो गई है, वहां मौजूदा OHE मास्ट की जगह नए OHE मास्ट लगाने का प्रावधान हेतु कार्य ।	23.02.2026	₹2,84,85,943.50/-	₹2,92,400/-	09 महीने	60 दिन	Downloading through IREPS portal-NIL, (₹10,000/- Sr.DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)

1. निविदाकार को सभी जरुरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। **2.** निविदाकार के पास ई–निविदा में भाग लेने के लिए क्लास – III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। **3.** कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। **4.** कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागु हैं एवं इस प्रकार हैः "Design, supply, erection, testing & commissioning of 50Hz, single phase 25 KV AC OHE". **5.** टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

संख्याः **ETrU-T-13-2025-26 दिनांकः 30.01.2026** **338/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार 15 वर्षीय लड़के की मौत

यमुनानगर। थाना छप्पर क्षेत्र के गांव टेही के पास ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर लगने से बाइक सवार 15 वर्षीय अर्जुन की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव रडे का माजरा निवासी जोगिंदर ने थाना छप्पर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का 15 वर्षीय अर्जुन 30 जनवरी को सुबह नौ बजे बाइक पर किसी काम से जा रहा था। जब वह गांव टेही के पास पहुंचा तो तेज गति से आ रही ट्रैक्टर ट्राली ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी ट्रैक्टर ट्राली चालक कुछ देर मौके पर रुकने के बाद वहां से फरार हो गया।

लाखों की हेरोइन के साथ दो युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। जिले की थाना प्रताप नगर पुलिस टीम ने पांवटा रोड से दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 30 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपियों से बरामद हेरोइन की कीमत बाजार में एक लाख 26 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार थाना प्रताप नगर में तैनात एसआई जसविंदर सिंह ने बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान दो युवक हेरोइन के साथ पकड़े गए। पूछताछ के दौरान आरोपियों की पहचान रुखसार व इनाम के रूप में हुई।

चंडीगढ़ के ज्वेलर का करनाल में मिला शव

करनाल। करनाल में कैथल रोड के पास पश्चिमी यमुना नहर में मिले शव की पहचान चंडीगढ़ निवासी श्याम सुंदर के रूप में हुई है। मृतक ज्वेलर्स का काम करता था और पिछले कई दिनों से लापता था। पहचान होने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि श्याम सुंदर कारोबार में नुकसान के कारण मानसिक रूप से परेशान था। वह 20 जनवरी को घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। शव की जेब से मिले पहचान पत्र और बैंक कार्ड के आधार पर पुलिस परिजनों तक पहुंची।

स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड वितरित करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पड़ताल

सैनेटरी पैड मशीनें कई जगह खराब, सैकड़ों स्कूलों में एक साल से नहीं पहुंचे फ्री पैड

जनवरी से मार्च तक 10 लाख पैड वितरित करने का लक्ष्य, मांग कई गुना ज्यादा

सूरज सहारण ▶▶| कैथल

सुप्रीम कोर्ट ने सभी निजी व सरकारी स्कूलों के लिए सख्त आदेश जारी किए हैं कि स्कूलों में छात्राओं के लिए बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड उपलब्ध करवाए जाएं। हालांकि हरियाणा के सरकारी स्कूल व कॉलेजों में सैनेटरी पैड मशीनें लगाने की योजना पहले से लागू है, लेकिन अधिकतर जगह अव्यवस्था के चलते इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। कहीं मशीन खराब पड़ी है तो कहीं महीनों से सैनेटरी पैड नहीं आए हैं। शिक्षा विभाग ने जनवरी से मार्च तक करीब 10 लाख पैड वितरित करने का लक्ष्य भी रखा, लेकिन सभी स्कूलों में पहुंचने पर संशय बना हुआ है। वहीं, छात्राओं की संख्या के हिसाब से यह कई गुणा कम है।

स्कूली छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के अधिकतर राजकीय स्कूलों में करोड़ों रुपये खर्च कर सैनेटरी पैड मशीन लगवाई गई थी, लेकिन रखरखाव के अभाव व सैनेटरी पैड की नियमित आपूर्ति न होने की वजह से अधिकतर जगह मशीनें धूल फांक रही हैं। कैथल में हरिभूमि द्वारा कई स्कूलों का दौरा किया गया तो अधिकतर मशीन खराब पड़ी नजर आई। पूछे जाने पर स्कूल मुखियाओं का कहना था कि बजट के अभाव में वे इसे कैसे ठीक करवाएं।

यह भी सामने आया है कि प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं की मांग के अनुसार विभाग द्वारा सैनेटरी पैड उपलब्ध नहीं करवाए जा रहे हैं। यदि इसी शैक्षणिक सत्र की बात की जाए तो विभाग द्वारा जनवरी से मार्च तक प्रदेश के सभी राजकीय स्कूलों के लिए करीब 10 लाख नैपकिन पैड वितरित करने के आदेश दिए हैं लेकिन काफी स्कूलों में नैपकिन पैड नहीं पहुंच पाए हैं। नाम न छापने की शर्त पर अध्यापिकाओं ने बताया कि छात्राओं की जरूरत से आधे पैड ही स्कूल पहुंच पाते हैं।

कैथल। राजकीय स्कूल में सैनेटरी पैड मशीन।

खबर से संबंधित वीडियो देखने के लिए स्कैन करें

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तीन अहम बातें

1. सभी सरकारी व निजी स्कूलों में छात्राओं को फ्री बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड उपलब्ध करवाए जाएं।
2. तीन माह में यह व्यवस्था नहीं की गई तो निजी स्कूल की रद्द होगी मान्यता व सरकारी स्कूल के लिए राज्य सरकार होगी जिम्मेदार।
3. प्रयोग में किए गए पैड के निष्पादन के लिए ढके हुए अलग जगह रखे डस्टबीन होने चाहिए।

राजकीय स्कूलों में जनवरी में नैपकिन पैड भिजवाने का दावा

जिला	बांटे गए नैपकिन पैड
अंबाला	32133
भिवानी	37082
दादरी	12071
फरीदाबाद	53626
फतेहाबाद	43968
गुरुग्राम	70229
हिसार	56256
झज्जर	22885
जींद	45177
कैथल	43987
करनाल	56555
कुरुक्षेत्र	33891
महेंद्रगढ़	22072
मेवात	130530
पलवल	59859
पंचकुला	30183
पानीपत	46302
रिवाड़ी	24970
रोहतक	26340
सिरसा	58288
सोनीपत	47908
यमुनानगर	44951

बीमारियों से छुटकारा

कैथल की सीएमओ डॉ. रेनू चावला ने बताया कि यदि छात्राओं को बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड मिले तो उन्हें महामारी के दौरान होने वाली परेशानी से काफी राहत मिल सकती है। इससे पढ़ाई भी बेहतर होगी।

जींद : एक साल से पैड की सप्लाई नहीं

जींद। सरकारी स्कूलों में फ्री सेनेटरी पैड मशीनें तो लगी हैं लेकिन एक साल से सेनेटरी पैड की सप्लाई नहीं हुई है। वहां लगी मशीनें महज शो पीस बनी हुई हैं। पहले सरकारी स्कूलों में किशोरी स्वास्थ्य योजना के तहत छात्राओं को निशुल्क सैनेटरी पैड वितरित किए जाते थे, लेकिन पिछले एक साल से कई स्कूलों में सैनेटरी पैड नहीं पहुंचे हैं। छात्राओं का कहना है कि सैनेटरी पैड न मिलने के कारण कई बार उन्हें स्कूल छोड़कर घर जाना पड़ता है। कुछ छात्राएं मासिक धर्म के दिनों में स्कूल आना ही बंद कर देती हैं। जिला शिक्षा अधिकारी रितु पंघाल ने बताया कि मशीनें स्कूलों में लगी हुई हैं। पिछले एक साल से पैड सप्लाई नहीं हुई है। विभाग को लिखा जा रहा है।

कुरुक्षेत्र में 15 स्कूलों में खराब है मशीन

कुरुक्षेत्र। वर्ष 2022 व 2023 में जिले के स्कूलों में सैनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगवाई गई थीं। जिले के 440 राजकीय स्कूलों में यह मशीन लगी हैं लेकिन लगभग 15 स्कूलों में यह मशीन खराब पड़ी है। गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य सुमन ने बताया कि उनके विद्यालय में बैंक द्वारा सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगवाई गई थी जोकि पांच रुपये का सिक्का डालने पर काम करती थी लेकिन अभी उसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई है, जिसे ठीक करवा दिया जाएगा। राजकीय स्कूल ठोल में सेनेटरी पैड मशीन वायरिंग जलने के कारण खराब है। उन्होंने कहा कि इसे जल्द ही ठीक करवा दिया जाएगा।

रोहतक : स्कूल में 636 छात्राएं, साल भर से नहीं मिले पैड

रोहतक के शहीद कैप्टन दीपक शर्मा पीएम श्री गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल मॉडल टाउन में छात्राओं की सुविधा के लिए लगाई गई सैनेटरी नैपकिन डिस्पोजल मशीन चालू हालत में तो है, लेकिन करीब एक साल से विभाग द्वारा लड़कियों के लिए पैड उपलब्ध नहीं करवाए जा रहे। स्कूल में 636 छात्राएं हैं।

रेवाड़ी में 150 में से 80 में मशीनें चालू

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले में 100 से अधिक सीनियर सेकेंडरी और 50 हाई स्कूल हैं, जिनमें किशोरियों को वेंडिंग मशीन की जरूरत है। पड़ताल में यह बात सामने आई कि करीब 80 स्कूलों में ही सैनेटरी पैड मशीनें काम कर रही हैं और किशोरियों को प्रति माह पैड भी वितरित किए जा रहे हैं। पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय रेवाड़ी में सीएसआर के तहत लगी सैनेटरी पैड वेंडिंग मशीन काफी समय से प्रयोग में नहीं आ रही है।

सोनीपत में ग्रामीणों पर रौब जमा रहा फर्जी सीबीआई इंस्पेक्टर काबू

- 69 वर्षीय बुजुर्ग किराया बचाने के लिए भी करता था पुलिस की वर्दी का इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले के गांव भटगांव में एक फर्जी सीबीआई इंस्पेक्टर को पकड़ा गया। वर्दीधारी बुजुर्ग खुद को सीबीआई का इंस्पेक्टर बताकर रौब झाड़ रहा था। सीआईए सेक्टर-3 पुलिस और सदर थाना पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी बुजुर्ग की पहचान 69 वर्षीय रणधीर के रूप में हुई है, जो झज्जर जिले के गांव सेज पहाड़ीपुर का रहने वाला है।

रणधीर इन दिनों सोनीपत जिले के गांव भटगांव में अपनी फुफेरी बहन के घर आया हुआ था। पुलिस ने जब उससे पहचान पत्र और तैनाती से जुड़े दस्तावेज मांगे तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस पूछताछ में रणधीर ने स्वीकार किया कि वह वर्दी पहनकर लोगों पर रौब जमाता था। उसने यह भी बताया कि बसों और अन्य सार्वजनिक साधनों में यात्रा के दौरान वर्दी पहनने से उसे किराया नहीं देना पड़ता था। दो दिन पहले ही उसने सोनीपत सिटी थाना क्षेत्र के सामने स्थित एक दुकान से इंस्पेक्टर की पूरी वर्दी खरीदी थी। उसने दावा किया कि वह पहले पुलिस विभाग में कार्यरत था और वर्ष 2002 में कैथल में एक भ्रष्टाचार के मामले में सस्पेंड हुआ था, इसी प्रकरण में उसे जेल भी जाना पड़ा और बाद में उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। हालांकि पुलिस की पड़ताल में यह कहानी भी झूठी साबित हुई। जांच में सामने आया कि उसने यह भी गलत जानकारी दी कि उसकी भर्ती वर्ष 1992 में हुई थी, जबकि उस समय उसकी उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही थी।

सोनीपत। पुलिस की वर्दी में आरोपित।

बच्चे रहते हैं अलग, फर्जी पहचान बनी सहारा: पुलिस के अनुसार रणधीर के पारिवारिक हालात भी ठीक नहीं हैं। उसके बच्चे उससे अलग रहते हैं और उसे घर से बाहर कर चुके हैं। आशंका जताई जा रही है कि इसी कारण वह अलग-अलग जगह रिश्तेदारी में ठहरता रहा।

कैबिनेट मंत्री बेदी ने जताया शोक

नरवाना में किराए के जर्जर मकान की छत गिरने से मां और बेटी की दबकर मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना शहर के गांधीनगर स्थित ढाणी क्षेत्र में शनिवार को वार्ड नंबर 14 की एक गली में स्थित मकान की छत अचानक गिरने से 26 वर्षीय मां और मासूम बेटी की मलबे में दबकर मौत हो गई। हादसे के बाद मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई और चीख पुकार से माहौल दहल उठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार को अचानक एक तेज आवाज के साथ कमरे की छत भरभराकर नीचे गिर गई। उस समय कमरे में महिला ऊषा और उसकी छोटी बेटी मायरा मौजूद थी। छत गिरते ही दोनों मलबे के नीचे दब गईं। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पड़ोसियों की मदद से मलबा हटाकर मां व बेटी को बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत नागरिक अस्पताल नरवाना पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से हादसे की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में छत जर्जर होने की आशंका जताई जा रही है।

कमरे में गिरा छत का मलबा।

नरवाना विधायक एवं कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर गहरा शोक व्यक्त किया और ढांढस बंधाया। उन्होंने हरसंभव मदद का वादा किया।

दादी दो पोतियों को छोड़ने स्कूल गई थीं, दादा व पिता बाहर थे

आशीष ने बताया कि वह मजदूरी करता है और गांधी नगर स्थित ढाणी में वह किराये के मकान में रहते हैं। शनिवार सुबह काम पर निकल गया था। घर में उसके माता-पिता, पत्नी ऊषा, तीन बेटियां राधिका, सोनल और मायरा तथा भाई मनीष रहते हैं। आशीष के अनुसार हादसे के समय उसकी पत्नी ऊषा और छोटी बेटी मायरा कमरे में बेड पर बैठी थी। उसकी मां वीना उनकी दो बेटी राधिका व सोनम को स्कूल छोड़ने के लिए हादसे से पांच मिनट पहले ही गई थी, जबकि पिता बीमारी के कारण आंगन में धूप सेंक रहे थे। अचानक कमरे की छत गिरने से पत्नी और बेटी की जान चली गई।

नरवाना। हादसे में जान गंवाने वाली मां व बेटी।

पुलिस पर फायरिंग करने वाले तीन बदमाशों का एनकाउंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरुग्राम

पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे तीन बदमाशों का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर गोली चलाई, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट ने जान बचा ली। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि भागते समय दूसरे का पैर टूट गया। एनकाउंटर उस समय हुआ जब शुक्रवार रात को पुलिस टोल पर फायरिंग करने के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को हथियार बरामदगी के लिए पुलिस गांव पुराना बहरामपुर के पहाड़ी क्षेत्र में लेकर गई थी। यहां बदमाशों ने लोडेड हथियार छुपा रखा था। जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, एक आरोपी ने उसी छुपाए हुए हथियार से एएसआई मनमोहन पर फायरिंग कर दी। गोली उनकी छाती में मारी गई, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने से वह बाल-बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने वार्निंग फायर के बाद गोली चलाई। इस दौरान एक गोली आरोपी विनय के दाएं पैर में लगी। घायल आरोपी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, आरोपी बॉबी को भी बरामदगी के लिए भौंडसी क्षेत्र में ले जाया गया था। जैसे ही पुलिस ने उसे अपनी गाड़ी से हथियार ढूंढने के लिए उतारा, वो वहां से भागने की कोशिश करते ही गिर गया। इसके चलते उसके पैर में गंभीर चोट आई। तीसरा आरोपी पवन हिरासत में है।

फतेहाबाद के गांव में पोल पर मिला युवक का शव, हाथ में था ब्लेड, नीचे पड़े थे कटे तार

पोल से तार चुरा रहे युवक की करंट से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

उपमंडल के गांव जल्लोपुर में शुक्रवार रात बिजली के पोल पर केबल चोरी करते समय करंट लगने से हडोली निवासी एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर बिजली निगम के कर्मचारी व पुलिस भी मौके पर पहुंची और मृतक के शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए रतिया नागरिक अस्पताल में भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने बिजली निगम के ग्रामीण उपमंडल अधिकारी की शिकायत पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को शनिवार सुबह जल्लोपुर गांव के ग्रामीणों ने सूचना दी की एक ढाणी में बिजली के पोल पर एक युवक का शव लटका हुआ है। सूचना मिलने पर बिजली निगम व पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो पाया कि युवक के हाथ में ब्लेड था और कुछ तारें नीचे काट कर गिरी हुई थीं। इससे आशंका प्रतीत होती है कि युवक केबल चोरी करने के उद्देश्य से पोल पर चढ़ा था और करंट लगने से उसकी मौत हो गई है। इसके बाद बिजली निगम के ग्रामीण उपमंडल अधिकारी अशोक पानू ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले की जांच करने की मांग की। पुलिस ने मृतक युवक के शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भेज दिया। सदर थाना अध्यक्ष प्रहलाद सिंह ने बताया कि एक युवक के बिजली के पोल पर शव लटके होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है और बिजली निगम के उपमंडल अधिकारी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रतिया। बिजली के पोल पर लटका शव।

धुंध, वर्षा व नमी से डाई उद्योग प्रभावित

ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे टेक्सटाइल उद्योग पर अब मौसम की मार

विकास चौधरी ▶▶| पानीपत

अमेरिका के 50 प्रतिशत के टैरिफ से जूझ रही पानीपत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर अब मौसम की मार पड़ रही है। सर्दी के कारण वातावरण में बढ़ रही नमी, धुंध, बारिश, कम तापमान, कभी तेज तो कभी धीमी शीतलहर के चल रहे दौर ने टेक्सटाइल फैक्टरियों के दरवाजे बंद करवा दिए हैं।

पानीपत नगर निगम क्षेत्र में टेक्सटाइल उद्योग में उत्पादों की रंगाई के करीब वैध और अवैध एक हजार से अधिक डाई हाउस हैं, जबकि पानीपत के ग्रामीण क्षेत्र के फ्री जोन में अधिकतर टेक्सटाइल फैक्टरियों में डाई हाउस लगे हैं। सभी डाई यूनिट्स में तीन शिफ्ट में टेक्सटाइल उत्पादों और विभिन्न प्रकार के धागों की रंगाई का कार्य होता था। अब मौसम के लगातार बदल रहे मिजाज के चलते अधिकतर डाई हाउस में टेक्सटाइल उत्पादों की रंगाई का कार्य बंद हो गया है। वहीं जो डाई हाउस चल रहे हैं उनमें इमरजेंसी माल की रंगाई की जा रही है।

डाई उद्योग को प्रति दिन करोड़ों का फटका : राणा ने दावा किया कि मौसम की मार से डाई उद्योग को प्रति दिन करोड़ रुपये का फटका लग रहा है। खाली बैठी लेबर को मोटी रकम वेतन के रूप में दी जा रही है। लेबर को हटा नहीं सकते, इस डर से बाद में डाई की प्रशिक्षित लेबर मिले या ना मिले। उन्होंने बताया कि प्रकृति के सामने हर संसाधन बेबस है। सर्दी ढलने और मौसम खुलने तक डाई यूनिट्स में कामकाज नहीं के बराबर ही रहेगा।

पानीपत। धूप के इंतजार में सूखने के लिए रखे कंबल के बंडल।

नमी से सूख नहीं पाता माल, खर्च बढ़ा : राणा

पानीपत डाई हाउस एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन भीम राणा ने बताया कि अमेरिकी सरकार द्वारा पानीपत टेक्सटाइल उद्योग उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत के कारण पहले से ही डाई हाउस में काम कम हो गया था। रही सही कमी मौसम ने पूरी कर दी। उन्होंने बताया कि शरद ऋतु के चलते वातावरण में नमी अधिक होने, धुंध गिरने, शीत लहर चलने के कारण डाई के बाद टेक्सटाइल उत्पादक सूखते नहीं है। टेक्सटाइल उत्पादों के इमरजेंसी ऑर्डर्स को ड्रायर में सुखाया जाता है। उन्होंने बताया कि ड्रायर में सुखाई से कपड़े में उतनी शाइनिंग नहीं आती, जितने धूप में सूखने से आती है। फिर ड्रायर में सुखाई महंगी पड़ती है, जबकि कंपीटिशन के दौर में डाई के रेट बढ़ा नहीं सकते। ऐसे में डाई यूनिट संचालक को ही नुकसान वहन करना पड़ता है।

पंजाब यूनिवर्सिटी के सबसे पुराने जीवित पूर्व छात्र हैं सही राम बिश्नोई

104 वर्षीय पूर्व छात्र को सम्मान देने घर पहुंची पीयू की एलुमनाई एसोसिएशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

पंजाब यूनिवर्सिटी की एलुमनाई एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को चंडीगढ़ से गांव सकताखेड़ा पहुंचकर विश्वविद्यालय के सबसे पुराने पूर्व छात्र 104 वर्षीय सही राम बिश्नोई को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. वाईपी वर्मा, एसोसिएशन की डीन प्रो. लतिका शर्मा, प्रो. दिनेश बिश्नोई, डॉ. जयदेव बिश्नोई और प्रो. अर्चना चौहान शामिल थे। उन्होंने सही राम बिश्नोई को गुलदस्ता भेंट करने उपरांत शाल ओढ़ाकर, सम्मानपत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

प्रतिनिधिमंडल ने सही राम बिश्नोई के साथ कुछ समय गुजारा और उनसे उनके छात्र जीवन तथा विभाजन काल के अनुभवों को सुना और यादों को ताजा किया। इस दौरान सही राम ने अपनी पढ़ाई, जीवन यात्रा और लंबी उम्र के रहस्य सहित विभाजन के दौरान हुई कठिनाइयों के बारे में भी जानकारी साझा की। विश्वविद्यालय की ओर से एक अत्यंत असाधारण कदम उठाते हुए यह सम्मान पहली बार किसी पूर्व छात्र के घर जाकर दिया गया, क्योंकि आम तौर पर सम्मान समारोह कैंपस में आयोजित होते हैं। इस निर्णय के पीछे सही राम की उम्र और उनके योगदान की ऐतिहासिक महत्ता को ध्यान में रखा गया है। प्रो. लतिका शर्मा ने बताया कि यूनिवर्सिटी में सही राम के सहपाठी 103 वर्षीय हैं, जो अब पाकिस्तान में है।

डबवाली। सहीराम बिश्नोई का सम्मान करते पीयू के अधिकारी।

लाहौर में कानून की पढ़ाई शुरू की, सोलन में पूरी

बिश्नोई सभा सचिव इंद्रजीत बिश्नोई ने बताया कि वयोवृद्ध सही राम बिश्नोई न केवल पंजाब यूनिवर्सिटी के सबसे पुराने जीवित पूर्व छात्र हैं, बल्कि वे अविभाजित पंजाब के सबसे वरिष्ठ जीवित पूर्व विधायक भी हैं। उन्होंने पहले पंजाब यूनिवर्सिटी, लाहौर में कानून की पढ़ाई शुरू की थी और विभाजन के बाद ईस्ट पंजाब यूनिवर्सिटी, सोलन (जो आगे चलकर आज की पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ बना) में अपनी डिग्री पूरी की। उनके शैक्षणिक और सार्वजनिक जीवन का सफर विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक यात्रा के समानांतर रहा।

इन लोगों ने भी किया सम्मान : इस अवसर पर सही राम बिश्नोई के परिवार और गांव के प्रतिष्ठित नागरिकों के अलावा हिसार से अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के उपाध्यक्ष सुभाष कुमार देहडू, महासभा के उपाध्यक्ष एडवोकेट सोम प्रकाश सीगड़, सरदार जगरूप सिंह, देशकमल, राजेश कुमार धारणिया, रघुवीर धारणिया, उमेद कुमार धारणिया, पूर्व सरपंच यादविंद्र, पूर्ण धनेरवा, संदीप कुमार रोहज, सुशील कुमार धायल, सुधीर कुमार धारणिया, रवि कुमार रोहज, और शेषकरण धारणिया, एडवोकेट राजीव स्वामी आदि गणमान्य मौजूद रहे।

बजट उम्मीद : दोगुना हो स्वास्थ्य का बजट

हेल्थ पर खर्च के मामले में दुनिया की गरीब देशों से भी पीछे हैं हम

सेंट्रल डेस्क ⏭ रोहतक

रोहतक। कोविड के बाद की अवधि में स्वास्थ्य पर केंद्र सरकार का व्यय जीडीपी के प्रतिशत और कुल व्यय में हिस्सेदारी, दोनों ही रूपों में लगातार घटता रहा है। इसलिए यह मांग तेजी से उठी है कि इस वर्ष स्वास्थ्य बजट कम से कम दोगुना किया जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय को जीडीपी के 2.5% तक ले जाने का वादा किया गया था, लेकिन यह चिंताजनक रूप से केवल 1.15% पर ही बना हुआ है। समाजशास्त्री, स्वास्थ्य शोधकर्ता और कार्यकर्ता रवि दुग्गल ने कहा कि 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में सरकार की अपनी प्रतिबद्धता थी कि सार्वजनिक व्यय का 40% हिस्सा केंद्र सरकार की जिम्मेदारी होगा। आज की कीमतों पर यह जीडीपी का 1% या लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये होता है। हम उम्मीद करते हैं कि केंद्रीय बजट में इसी स्तर की प्रतिबद्धता दिखाई दे।

दोगुना करना भी काफी नहींविकास अर्थशास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता जीन द्रेज ने कहा कि भारत स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक खर्च के मामले में दुनिया के कम-व्यय वाले अग्रणी देशों में से एक है। दशकों से स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय जीडीपी के लगभग 1% के आसपास बना हुआ है, जबकि आज विकासशील देशों में इसका औसत 3% है। इस दीर्घकालिक कम निवेश का परिणाम सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में भारी कमी के रूप में सामने आया है। इस कमी को दूर करने और सार्वजनिक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के मानकों को बदलने के गंभीर प्रयास के बिना सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा हासिल नहीं की जा सकती।

सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय(2022)

क्षेत्र	जीडीपी का %	कुल स्वास्थ्य व्यय का %
भारत	1.3	39
उप-सहारा अफ्रीका	2	41
पूर्वी एशिया व प्रशांत	2.8	55
मध्य पूर्व व उ. अफ्रीका	2	42
लै. अमेरिका व कैरेबियन	4	52
यूरोप एवं मध्य एशिया	2.9	60
यूरोपीय संघ	8	77

हमसे 2.5 गुना खर्च करता है भूटान

भारत में स्वास्थ्य पर सार्वजनिक खर्च कई देशों की तुलना में बेहद कम है। उदाहरण के लिए 2021 में भूटान का प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य व्यय भारत से 2.5 गुना अधिक था, जबकि श्रीलंका का तीन गुना। अन्य सभी ब्रिक्स देशों ने प्रति व्यक्ति भारत की तुलना में 14-15 गुना अधिक स्वास्थ्य पर खर्च किया। थाईलैंड और मलेशिया भी प्रति व्यक्ति भारत से कम से कम दस गुना अधिक खर्च करते हैं। केंद्र सरकार का स्वास्थ्य पर वास्तविक (मुद्रास्फीति-समायोजित) व्यय लगातार घट रहा है, जिससे 2025 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 का लक्ष्य हासिल करना असंभव हो गया।

5.5% गिरा एनएचएम का फंड

बजट कम होने से सबसे कठोर कटौतियां उन कार्यक्रमों पर पड़ रही हैं जो सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करते हैं। इनमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, पोषण और अनुसंधान प्रमुख हैं। जबकि कठिन समय में इनकी अहमियत और बढ़ जाती है। एनएचएम के फंड में वास्तविक रूप से औसतन 5.5% की गिरावट आई है। सीमित आवंटन के भीतर भी जोर निजी भागीदारी और बीमा-आधारित मॉडलों, जैसे पीएमजेएवाई की ओर बना हुआ है।

वास्तविक जीडीपी वृद्धि में चीन पहले और भारत दूसरे स्थान पर

- दोनों के पास वैश्विक आर्थिक वृद्धि का 43.6% हिस्सा
- मस्क ने इसे शक्ति संतुलन में बदलाव बताया

सेंट्रल डेस्क ⏭ रोहतक

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और टेस्ला, स्पेसएक्स तथा एक्सएआई के सीईओ एलन मस्क ने बदलती वैश्विक आर्थिक गतिशीलता पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि शक्ति संतुलन बदल रहा है और चीन व भारत विकास के मुख्य चालक बनकर उभर रहे हैं। मस्क ने यह टिप्पणी एक्स पर एक पोस्ट को पुनः साझा करते हुए की, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों का हवाला दिया गया था। इन आंकड़ों में 2026 में वैश्विक वास्तविक जीडीपी वृद्धि में शीर्ष 10 योगदानकर्ताओं को दर्शाया गया है। ग्राफ में चीन और भारत को वैश्विक वास्तविक जीडीपी वृद्धि सूची में शीर्ष पर दिखाया गया है, जहां चीन का योगदान 26.6% और भारत का 17% रहने का अनुमान है। अमेरिका 9.9% के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि इंडोनेशिया, तुर्किये, नाइजीरिया और ब्राज़ील जैसे विकासशील देशों का योगदान क्रमशः 3.8%, 2.2%, 1.5% और 1.5% है। यूरोप का सबसे बड़ा आर्थिक देश जर्मनी इस सूची में सबसे नीचे है, जिसका हिस्सा मात्र 0.9% है।

वैश्विक वृद्धि 2026 में 3.3% रहने का अनुमान

चीन और भारत मिलकर वैश्विक आर्थिक वृद्धि का 43.6% हिस्सा रखते हैं, जबकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र कुल विस्तार का लगभग आधा योगदान देता है। आईएमएफ की जनवरी 2026 की वैश्विक आर्थिक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक वृद्धि 2026 में 3.3% और 2027 में 3.2% रहने का अनुमान है, जिसे अक्टूबर 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक की तुलना में थोड़ा ऊपर संशोधित किया गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह वृद्धि मुख्यतः प्रौद्योगिकी निवेश, राजकोषीय और मौद्रिक समर्थन, अनुकूल वित्तीय परिस्थितियों तथा निजी क्षेत्र की अनुकूलन क्षमता से संचालित होगी, जो व्यापार नीतियों में बदलाव के प्रभाव को संतुलित करेगी। आईएमएफ का अनुमान है कि वैश्विक महंगाई में गिरावट आएगी, लेकिन अमेरिका में यह लक्ष्य स्तर पर धीरे-धीरे वापस लौटेगी।

मस्क की टिप्पणी का संकेत

एलन मस्क की टिप्पणी इस बढ़ती सहमति की ओर संकेत करती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र पश्चिम से एशिया और वैश्विक दक्षिण के कुछ हिस्सों की ओर स्थानांतरित हो सकता है। हालांकि अमेरिका और यूरोपीय संघ वित्तीय केंद्र बने रहेंगे, लेकिन धीमी वृद्धि दर और वृद्ध होती आबादी के कारण उनका योगदान अपेक्षाकृत कम होने की संभावना है।

सिद्धू की पत्नी ने कांग्रेस छोड़ी, लिखा-उस पार्टी को अलविदा कहा जहां काबिल नेताओं की नहीं सुनी जाती

अमृतसर। पूर्व क्रिकेटर और पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने शनिवार को कांग्रेस छोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि उस कांग्रेस को अलविदा कह दिया है, जहां मेहनती और काबिल नेताओं की बात नहीं सुनी जाती और जहां फैसले निजी स्वार्थों के आधार पर लिए जाते हैं। उन्होंने पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पर निशाना साधा। नवजोत कौर ने कहा कि राजा वड़िंग अब तक के सबसे भयानक और भ्रष्ट अध्यक्ष। आपने कांग्रेस को तबाह करने के लिए मुख्यमंत्री के साथ हाथ मिलाकर खुद को जेल जाने से बचाया है। आपने अपने फायदों के लिए आम आदमी पार्टी के साथ साठगांठ करके पार्टी को बेच दिया है।

उन्होंने आगे लिखा कि आपने मेरे लिए सस्पेंशन लेटर तैयार रखा था। लेकिन उन करीब 12 वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का क्या जो नवजोत को नुकसान पहुंचाने के लिए मजीठिया के साथ मिलकर काम कर रहे थे और आपने नवजोत को हराने के बदले उन सभी को बड़े पदों से नवाजा।नवजोत कौर ने कहा कि मेरे पास आपको बर्बाद करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। लेकिन मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि मैंने खुद उस कांग्रेस को छोड़ दिया है जहां किसी होनहार नेता की बात नहीं सुनी जाती। आपने मेरी सीट पर मुझे हराने के इरादे से लोग बिठाए। आशु, चन्नी, भट्टल, डॉ. गांधी और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपकी कार्रवाई कहां है, जिन्होंने आपको और आपकी पार्टी को खुलेआम चुनौती दी है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

8वीं की छात्रा ने दिया बच्चे को जन्म, नाबालिग आरोपी अरेस्ट

बालाघाट। यहां एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बीती 28 जनवरी को जिला अस्पताल में कक्षा 8वीं की छात्रा को भर्ती कराया गया। कुछ देर बाद वह एक बच्चे को जन्म देती है। इस घटना से पूरे शहर में हड़कंप मच गया। छात्रा कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। ऐसे में गर्ल्स हॉस्टल की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस में 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन'

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरिद्वार

पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस, हरिद्वार में 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम' का नौ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम योगदर्शन, मनोविज्ञान एवं आध्यात्मिकता पर आधारित था, जो आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिक चिंतन की दिशा प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग सिक्किम सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, समानता एवं योग के व्यापक प्रसार को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिटेशन, शंख वादन और हवन पूजन से हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि योग प्राचीन भारत की एक समग्र शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक साधना है। योग का उद्देश्य मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना है, जिससे आत्म-साक्षात्कार, मानसिक शांति एवं मोक्ष की प्राप्ति संभव होती है। योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है, तनाव कम होता है तथा अनुशासित जीवनशैली अपनाने में सहायता मिलती है।

फैमली कॉमेडी सीरीज विदेशी बहु का दूसरा सीजन स्टेज एप पर रिलीज

रीजनल इंडस्ट्री के सारे रिकॉर्ड तोड़ रही वेब सीरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणवी दर्शकों की ज़बरदस्त पसंदीदा वेब सीरीज़ 'विदेशी बहू' अपने दूसरे सीज़न के साथ एक बार फिर लौट आई है। STAGE App ने 'विदेशी बहू – Season 2' रिलीज़ हो गया है। पहले सीज़न की जबरदस्त लोकप्रियता के बाद, दर्शक लंबे समय से इसके अगले सीज़न का इंतज़ार कर रहे थे। इस बार कहानी और भी ज़्यादा मज़ेदार, उलझी हुई और देसी तड़के से भरपूर होने वाली है। इस नए सीज़न में एक बार फिर राजेश सिंहपुरिया, जगबीर राठी, नवीन नारू, इरीना, एनडी अनुष्का, जोगेंद्र कुंडू, रामबीर आर्यन, राजकुमार धनखड़ और रीना बलहारा जैसे दमदार कलाकार अपनी मज़ेदार अदाकारी से दर्शकों को हँसी और ड्रामा का भरपूर तड़का देने वाले हैं। पहले दिन इस वेब सीरीज के 4 एपिसोड एक साथ रिलीज हुए हैं और अब हर शुक्रवार दो नए एपिसोड रिलीज होंगे। ख़ास बात यह है कि पहले दिन से इस वेब सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और रीजनल इंडस्ट्री के इसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

हर शुक्रवार कॉमेडी का डोज़, देसी अंदाज़ में : 'विदेशी बहू – Season 2' को एपिसोड फॉर्मेट में रिलीज़ किया जा रहा है। हर शुक्रवार नए एपिसोड STAGE App पर देखने को मिलेंगे, जो दर्शकों को हंसी, ड्रामा और रिश्तों की नई उलझनों से बांधे रखेंगे। इस वेब सीरीज के क्रिएटर मोहित भारती हैं, जिन्होंने इसका पहला सीजन भी बनाया था। मोहित भारती का कहना है कि विदेशी बहु का पहला सीजन जबरदस्त हिट था और उसके बाद से ही लगातार दर्शक इसके दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे थे। दर्शकों की डिमांड को देखते हुए ही दूसरे सीजन को और बड़ा किया गया है। नए सीजन में कुल 26 एपिसोड हैं, जिससे दर्शकों को हर सप्ताह कॉमेडी का डबल डोज मिल पाएगा।

जब दो बहुएँ हों आमने-सामने और बीच में फँसा हो बेचारा पति

पहले सीज़न में जहाँ विदेशी बहू और देसी परिवार की टकराहट ने दर्शकों को खूब हँसाया, वहीं सीज़न 2 में कहानी और बड़ा मोड़ लेती है। अब सवाल सिर्फ़ संस्कृति का नहीं, बल्कि प्यार, परंपरा और हक़ का है। एक तरफ़ है विदेशी बहू की समझदारी और आधुनिक सोच, दूसरी तरफ़ है देसी बहू का हक़, ज़िद और गांव की परंपराएँ। बीच में है आजाद — जो दो बहुओं के बीच फँसकर हर रोज नई मुसीबत में पड़ जाता है।

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

फाइल्स में सामने आया फिल्म निदेशक मीरा नायर का नाम, सूची में बिल गेट्स भी शामिल

अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज जारी

वाशिंगटन। अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों ने एक बार फिर तहलका मचा दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने शुक्रवार को एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख से ज्यादा पेजों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं। इन नए दस्तावेजों में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की मां और फिल्म निदेशक मीरा नायर का नाम भी सामने आया है। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मीरा नायर ने 2009 में अपनी फिल्म 'एमेलिया' के लिए आयोजित एक आफ्टर-पार्टी में शिरकत की थी।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने शुक्रवार को एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख से ज्यादा पेजों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं

नायर न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी की मां हैं

फिल्म की पार्टी यौन तस्करी की दोषी मैक्सवेल के यहां

फिल्म निदेशक मीरा नायर बेटे जोहरान ममदानी के साथ

ईमेल से हुआ पार्टी का खुलासा

यह जानकारी 21 अक्टूबर 2009 के एक ईमेल से सामने आई है। यह ईमेल अमेरिकी पब्लिसिटी मैनेजर पेगी सीगल ने जेफरी एपस्टीन को भेजा था। ईमेल पार्टी के ठीक बाद सुबह के समय भेजा गया था। इसमें पेगी सीगल ने लिखा है कि वह गिस्लीन मैक्सवेल (एपस्टीन की गर्लफ्रेंड और अपराधी) के मैनहट्टन टाउनहाउस से एक आफ्टर-पार्टी से लौटी हैं। पार्टी में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और मीरा नायर समेत कई बड़े नाम मौजूद थे।

इन मशहूर हस्तियों की तस्वीरें आईं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप स्टार माइकल जैक्सन, प्रिंस एंड्रयू और उनकी पत्नी सारा फर्ग्यूसन, अमेरिकी होस्ट ओप्रा विन्फ्रे, हॉलीवुड एक्टर केविन स्पेसी और क्रिस टकर, अरबपति रिचर्ड ब्रैसनन।

सूचना / विज्ञापन
(Returning Officer की ओर से)

सभी सदस्यगण जाट शिक्षण संस्था हिसार को सूचित किया जाता है कि आजीवन सदस्य सूची को दुरुस्त करने के उद्देश्य से यह आवश्यक पाया गया है कि जिन आजीवन सदस्यगण का निधन हो चुका है उनके नामों का विधिवत सत्यापन किया जाए।

अतः जिन आजीवन सदस्यगण का देहांत हो चुका है उनके परिजनों से अनुरोध है कि मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें।

उपरोक्त प्रमाण पत्र दिनांक 7 फरवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से कार्यालय Returning Officer (J.E.S.) जाट शिक्षण संस्था, हिसार, C.R. College of Education Rajgarh Road, Hisar में जमा करवाएं।

निर्धारित तिथि तक प्रमाण पत्र जमा न करवाने की स्थिति में आजीवन सदस्य का नाम सूची से नियमानुसार संशोधित विलोपित किया जा सकता है। जिसकी जिम्मेवारी सम्बन्धित पक्ष की होगी।

यह सूचना जाट शिक्षण संस्थान के Bye-laws तथा H.R.R.S. Act, 2012 के प्रावधानों के अंतर्गत जारी की जा रही है।

Sd/- Returning Officer
Jat Educational Society. Hisar
दिनांकः 31 January. 2026

शब्द पहेली - 6125

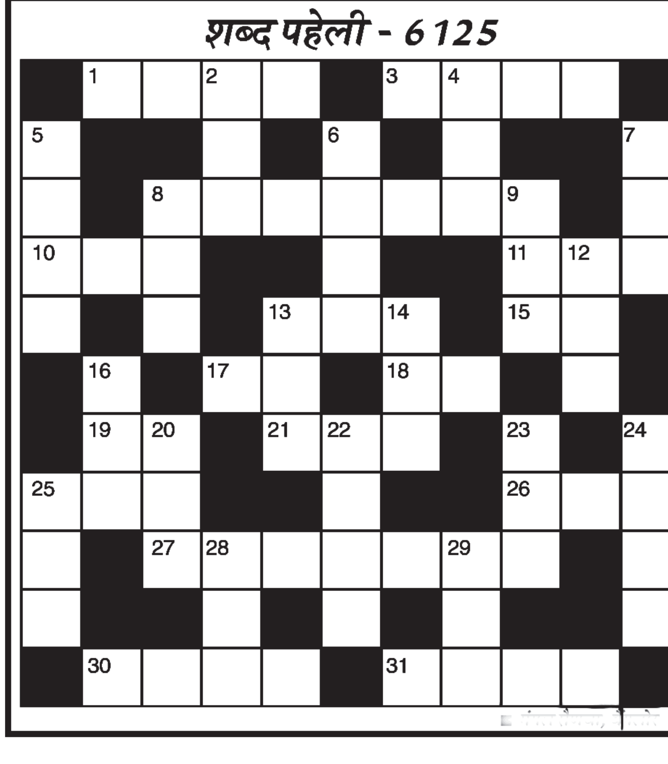

बाएँ से दाए

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6124 का हल

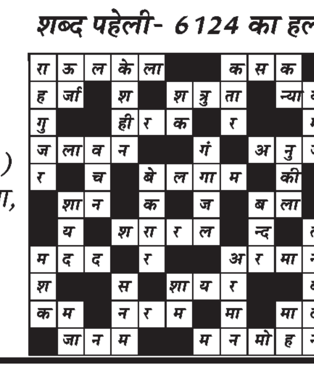

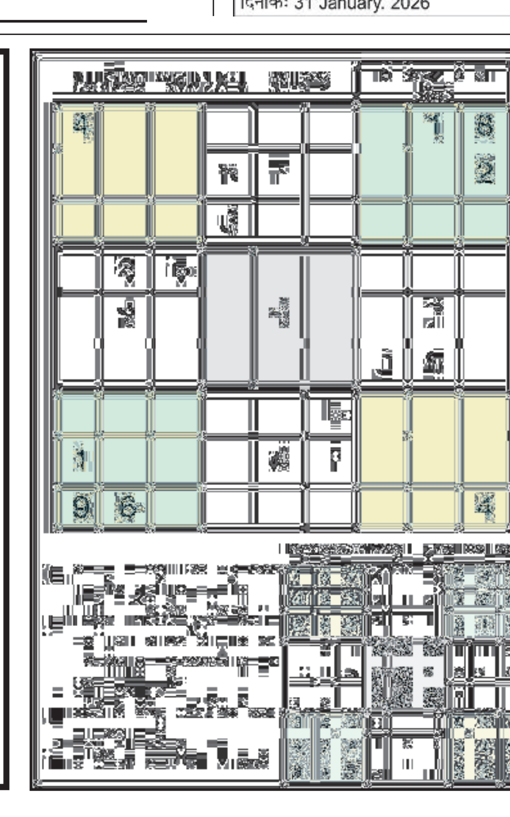

महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार का दिन रहा ऐतिहासिक

सुनेत्रा ने संभाली 'दादा' की विरासत, संकट ने सियासत में उच्चता दी

अजित की जगह अब उनकी पत्नी बनीं राज्य की डिप्टी सीएम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में अजित पवार के निधन के बाद नए उपमुख्यमंत्री का शपथग्रहण शनिवार को पूरा हो गया। अजित की जगह अब उनकी पत्नी राज्य की डिप्टी सीएम बन गई हैं। लोकभवन में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इससे पहले उन्हें दोपहर में राकांपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। महाराष्ट्र के इतिहास में पहली बार कोई महिला डिप्टी सीएम बनी हैं।

पहली बार राज्य में कोई महिला उप मुख्यमंत्री बनीं

धाराशिव में जन्म

सुनेत्रा पवार का जन्म 1963 में उस्मानाबाद (अब धाराशिव) में एक मराठी परिवार में हुआ था। सुनेत्रा ने औरंगाबाद (अब छत्रपति संभाजीनगर) के एसबी कॉलेज से बी.कॉम की डिग्री हासिल की।

पार्टी नेताओं के साथ सुनेत्रा पवार

सामाजिक कार्यों में रहा ध्यान

एक राजनीतिक परिवार से आने के बावजूद सुनेत्रा राजनीति से दूर ही रहीं। पवार परिवार से जुड़ने के बाद भी उन्होंने अपना ध्यान सामाजिक कार्यों में लगाया और बारामती के करीब पवार खानदान के पैतृक गांव काठेवाड़ी में कई कार्य कराए। खासकर साफ-सफाई को लेकर। उनके कार्यों की वजह से 2006 में काठेवाड़ी को निर्मल ग्राम का दर्जा दिया गया और घोषित किया गया कि यह गांव खुले में शौच से मुक्त हो गया है। सुनेत्रा ने 2008 में बारामती में हाईटेक टेक्सटाइल पार्क बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई। 65 एकड़ के इस पार्क को केंद्र की टेक्सटाइल पार्क स्कीम के जरिए स्थापित कराया गया और मौजूदा समय में यहां 15 हजार लोगों को नौकरी मिली है। इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं, जो कपड़ा उद्योग, सिलाई, बुनाई और कढ़ाई में काम कर रही हैं।

पिता भी थे मजबूत नेता

उनके पिता बाजीराव पाटिल महाराष्ट्र के मजबूत नेता थे। भाई पदम सिंह बाजीराव पाटिल 1980 के दशक में महाराष्ट्र में सबसे ताकतवर नेताओं में से एक रहे। पदमसिंह कई बार विधायक रहने के साथ-साथ सांसद भी रहे। वे 80 के दशक में ही महाराष्ट्र के गृह मंत्री भी बने।

अजित से इस तरह की शादी

सुनेत्रा के 1983 में ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद 1985 में उनकी शादी अजित पवार से हुई। पदमसिंह और शरद पवार भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर चुके थे। दोनों ही नेताओं में अच्छी दोस्ती बाद में रिश्ते में बदली, जब पदमसिंह ने बहन सुनेत्रा का रिश्ता अजित से तय कर दिया। अजित और सुनेत्रा पवार के दो बेटे हुए। बड़े बेटे का नाम पार्थ पवार और छोटे बेटे जय हैं। जय फिलहाल राजनीति में नहीं हैं। जय उद्यमिता के क्षेत्र में अपना करियर बना रहे हैं।

सुनेत्रा का राजनीतिक इतिहास

सुनेत्रा के जीवन में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट 2023 के अंत में आया, जब राकांपा का विभाजन हुआ। यहां से उनकी पहली बार सक्रिय राजनीति में एंट्री हुई। सुनेत्रा के चुनावी करियर की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से हुई, जब वे बारामती निर्वाचन क्षेत्र से अजित गुट के टिकट पर उतरीं। इस चुनाव में उन्होंने अपनी ननद और शरद पवार की बेटी- सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा, जो पवार परिवार और पार्टी में विभाजन का प्रतीक बना। उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव के बाद उन्हें जून 2024 में राज्यसभा के लिए नामित किया गया। अजित के निधन से खाली हुई जगह को भरने पर भी सवाल उठने लगे। उन्हें शनिवार को राकांपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया।

खबर संक्षेप

युवती को कैब चालक ने भेजे अश्लील मैसेज

नई दिल्ली। इनड्राइव एप पर बुक कैब के चालक द्वारा युवती को अश्लील संदेश भेजने और फ्री राइड के बदले शारीरिक संबंध की मांग करने का मामला सामने आया है। घटना 27 जनवरी की रात की है। बलटाना निवासी युवती ने 28 जनवरी को सेक्टर-26 पुलिस को शिकायत दी।एफआईआर दर्ज नहीं की गई। पीड़िता का आरोप है पुलिस ने समझौता करवा दिया।

कंटेनर ने 2 ऑटो को मारी टक्कर, 5 मरे

आगरा। यहां के थाना खंदौली क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कंटेनर ने दो ऑटो को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों के मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल बताए गए हैं। ये सभी जगन्नाथ यात्रा पर गए थे। ये सभी वापस ऑटो से आ रहे थे। ये सहपऊ के रहने वाले हैं। आगरा कैंट स्टेशन पर के बाद ये ऑटो से घर जा रहे थे।

रैगिंग के आरोप में आठ एमबीबीएस छात्र निलंबित

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष के एक छात्र की कथित तौर पर रैगिंग करने के मामले में एमबीबीएस के आठ छात्रों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने बताया कि यह घटना दो दिन पहले हॉस्टल नंबर एक में हुई, जहां पीड़ित रह रहा था। उन्होंने कहा, "पीड़ित द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद कॉलेज की रैगिंग रोधी समिति ने जांच की और आरोपों को सही पाया।

जान्हवी हत्याकांड में दोस्त को उम्रकैद

मुंबई। यहां के चर्चित 2021 जाह्नवी कुकरेजा हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। करीब 4साल बाद आए इस फैसले में अदालत ने पीड़िता के दोस्त श्री जोगधनकर को उम्रकैद की सजा सुनाई। दूसरी आरोपी दिया पाडलकर को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। इसने शहर को झकझोर दिया था। हत्या में शामिल लोग मृतका के करीबी दोस्त थे।

संसद में जल्द लाए जाएंगे नए कृषि कानून

दुर्ग। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में किसानों से संवाद करते हुए घोषणा की कि किसानों को कानूनी सुरक्षा देने के लिए जल्द ही संसद में नए कानून लाए जाएंगे। नकली बीज, खाद और कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों को धोखाधड़ी से बचाना है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कोलकाता के आनंदपुर में सीएम ममता को घेरा

मोमो फैक्ट्री में किसका था पैसा? सरकार ने भ्रष्टाचार छिपाने फैक्ट्री में लगवाई थी आग

बैरकपुर में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में राज्य सरकार को बताया सबसे भ्रष्ट

ममता किसी भ्रम में न रहें

एजेंसी ▶▶ बैरकपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के आनंदपुर इलाके में वाओ मोमो फैक्ट्री व गोदाम में हाल में लगी भीषण अग्निकांड की घटना को लेकर शनिवार को ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह आग कोई साधारण दुर्घटना नहीं है, बल्कि राज्य प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार का नतीजा है।आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शाह ने उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते इस भीषण अग्निकांड पर दावा किया कि इसमें 25 लोगों की जान चली गई है और 27 लापता हैं। शाह ने ममता सरकार को कठघरे में लाया। शाह ने कहा कि यह हादसा क्यों हुआ? इस मोमो फैक्ट्री में किसका पैसा लगा हुआ है? फैक्ट्री के मालिक कौन हैं? मालिकों ने उड़ानों में किसके साथ यात्रा की है? मालिक को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है?

अग्निकांड को लेकर ममता पर बरसे शाह

बंगाल के नेताओं ने गृहमंत्री शाह को सौंपी तस्वीर

आगजनी का विरोध किया तो पुलिस ने अत्याचार किया

शाह ने ममता सरकार से आग की इस घटना की निष्पक्ष एवं न्यायिक जांच कराने की मांग की। शाह ने कहा कि घटना के जिम्मेदार लोगों को जेल भेजा जाए। शाह ने कहा कि बंगाल में हमारे नेता अधिकारी और शमिक भट्टाचार्य पीड़ित परिवारों से मिलने गए थे। हमारे कार्यकर्ताओं ने घटना का विरोध किया और पुलिस ने उन पर अत्याचार किया।

इस बार ममता की विदाई तय

शाह ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ चुनावों के आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि 2026 में बंगाल में बदलाव तय है। 2021 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस चुनाव में भाजपा को 38 प्रतिशत वोट मिला था और 77 सीटें जीतकर सुवेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता बने। ममता दीदी, हमें 38 से 45 प्रतिशत तक जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी। ममता पर तंज कसते हुए कहा कि वे भतीजे को अगला मुख्यमंत्री बनाने के सपने में भ्रम का शिकार हो गई हैं।

मतुआ समुदाय से कहा- किसी का नाम नहीं कटेगा

शाह ने मतुआ समुदाय के लोगों को भी भरोसा दिलाया। शाह ने कहा कि ममता व टीएमसी उन्हें यह कहकर डरा कर रही हैं कि एसआईआर के चलते उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि एक भी मतुआ मतदाता का नाम सूची से नहीं हटेगा।कोई कुछ भी कोशिश कर लें, एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहेगी और पूरी तरह पारदर्शी मतदाता सूची के साथ चुनाव कराए जाएंगे।

एनआरसी पर भी घेरा, अवैध लोगों का नाम कटेगा

गृह मंत्री ने कहा कि ममता बेनर्जी चाहे जितना एनआरसी का विरोध कर लें, लेकिन घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने ही होंगे। उन्होंने दावा किया कि यदि कोई घुसपैठिया बच भी जाता है, तो भाजपा का मुख्यमंत्री आकर उसे हटाने का काम करेगा।

भ्रष्टाचार पर खुली चुनौती वे टिकट न देकर दिखाएं

शाह ने ममता को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें सच में हिम्मत है, तो वे भ्रष्ट नेताओं को टिकट न देकर दिखाएं।

हाई कोर्ट ने भी माना, जमीन देने में नहीं कर रही थी सहयोग

शाह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि अब कलकत्ता हाई कोर्ट ने भी यह माना है कि ममता सरकार बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन देने में सहयोग नहीं कर रही थी। हाई कोर्ट ने बीएसएफ को तय समयसीमा के भीतर जमीन देने का आदेश दिया है, ताकि सीमा सुरक्षा मजबूत की जा सके।

'माटी-मानुष' के नारे पर तंज महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल

शाह ने कहा कि ममता बेनर्जी माटी और मानुष का नारा देकर सत्ता में आई थीं, लेकिन आज महिलाएं असुरक्षित हैं, जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा है और आम लोग तृणमूल सिंडिकेट से परेशान हैं।

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

मेडिकल तरीके से गिराया जा सकेगा 31 हफ्ते का भ्रूण

अदालत ने इन आधारों पर दी गिराने की अनुमति इसके साथ ही मेडिकल टीम को ताकीद भी दी

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल हाईकोर्ट ने एक दंपती राहत दी है। कोर्ट ने उनके 31 हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण का चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति दी। यह भ्रूण दिमाग और सिर से जुड़ी जन्मजात गंभीर विकृतियों से पीड़ित है। जस्टिस शोभा अन्नम्मा ईप्पन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की इजाजत दी। बोर्ड ने राय दी थी कि अगर बच्चे का जन्म होता है तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा कि गर्भावस्था को आगे बढ़ाना महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है।कोर्ट ने मामले के तथ्यों, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, इस विषय से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार किया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो इससे केवल नतीजे में देरी होगी और परिवार की तकलीफ और बढ़ेगी।

कोर्ट के निर्देश

कोट्टायम मेडिकल कॉलेज जरूरी कदम उठाए

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को गर्भपात कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को तुरंत एक मेडिकल टीम गठित करने और प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टीम अपने विवेक और सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चिकित्सा विज्ञान में सुझाई गई सबसे उचित प्रक्रिया अपनाएगी, ताकि गर्भपात किया जा सके और पहली याचिकाकर्ता (महिला) की जान बचाई जा सके।

पहेल अंतिम स्कैन कर दोबारा की जाए पुष्टि

हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि गर्भपात से पहले अंतिम स्कैन कर भ्रूण की विकृतियों की दोबारा पुष्टि की जाए। अगर भ्रूण जीवित जन्म लेता है, तो अस्पताल उसे जीवित रखने के लिए सभी आवश्यक सहायता देगा, जिसमें इन्क्यूबेशन और किसी भी सुपर-स्पेशलिटी में इलाज शामिल है। बच्चे को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार दिया जाएगा और याचिकाकर्ता पति-पत्नी बच्चे की पूरी जिम्मेदारी लेंगे तथा इलाज का खर्च भी वहन करेंगे। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया था कि भ्रूण दिमाग और सिर की जन्मजात विकृतियों से पीड़ित है, जिनमें माइक्रोसेफली जैसे लक्षण शामिल हैं, जिससे गंभीर और जीवनभर रहने वाली शारीरिक व न्यूरोलॉजिकल विकलांगता की आशंका बहुत अधिक है।

पीएम आदमपुर में श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट का करेंगे अनावरण व हलवारा में नए टर्मिनल का होगा उद्घाटन

यह महान संत और समाज सुधारक के प्रति सम्मान का प्रतीक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संत गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पंजाब का दौरा करेंगे। वे दोपहर में आदमपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां एयरपोर्ट का नया नाम 'श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट, आदमपुर' अनावरण करेंगे। वे लुधियाना स्थित हलवारा एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन भी करेंगे। इस पावन अवसर पर आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण उस महान संत और समाज सुधारक के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं आज भी भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती हैं।

- पंजाब का एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर

हरित और ऊर्जा-कुशल टर्मिनल

प्रधानमंत्री के सतत और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकास के विजन के अनुरूप इस टर्मिनल भवन में कई हरित और ऊर्जा-कुशल सुविधाएं शामिल की गई हैं।

नया और बड़ा सिविल एन्क्लेव विकसित किया

पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हलवारा एयरपोर्ट पर जिस नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया जाएगा, वह पंजाब के लिए एक नया एविएशन गेटवे साबित होगा। इससे लुधियाना और आसपास के औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्रों की कनेक्टिविटी जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सकेगा।

एटा और कच्छ को रामसर मान्यता मिलने पर पीएम ने जताई प्रसन्नता

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के एटा स्थित पटना बर्ड सेंचुरी और गुजरात के कच्छ स्थित छारी-ढांड को रामसर साइट के रूप में मान्यता मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता जैव विविधता के संरक्षण और महत्वपूर्ण इकोसिस्टम की रक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये सुरक्षित आवास के रूप में आगे भी फलते-फूलते रहेंगे।

साध्वी बाईसा की मौत मामले में बड़ा खुलासा

कंपाउंडर ने अपना जुर्म कबूला उन्हें कई इंजेक्शन लगाए गए

पुलिस उसकी योग्यता की कर रही जांच

एसआईटी की तफ्तीश में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। एसआईटी की प्रमुख और एसीपी छवि शर्मा ने शुरुआती जांच में संकेत दिए हैं कि यह मामला केवल सामान्य इलाज तक सीमित नहीं है। पूछताछ में मुख्य आरोपी कंपाउंडर देवी सिंह ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसने साध्वी को केवल एक इंजेक्शन नहीं, बल्कि एक से अधिक इंजेक्शन लगाए थे।

कई अन्य दवाएं भी दी थी

अब तक केवल 'डेक्सोना' इंजेक्शन की बात सामने आ रही थी, लेकिन उसने कुछ अन्य दवाएं भी शरीर में इंजेक्ट की थीं। उन अन्य इंजेक्शनों में कौन सा साल्ट था, उनकी मात्रा कितनी थी और वे किस उद्देश्य से दिए गए थे?

शक के दायरे में आश्रम के बैंक खाते

पुलिस आर्थिक एंगल को भी गंभीरता से देख रही है। आश्रम से जुड़े सभी आधिकारिक बैंक खातों को खंगाला जा रहा है. आश्रम से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों के निजी बैंक खातों की भी जांच हो रही है ताकि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का पता लगाया जा सके।

योगी के समर्थन में नौकरी छोड़ी थी

जीएसटी अफसर प्रशांत सिंह ने इस्तीफा वापस ले लिया

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

सीएम योगी के समर्थन में इस्तीफा देने वाले जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने यूटर्न ले लिया है। डिप्टी कमिश्नर ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी दबाव के इस्तीफा वापस ले रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। हालांकि, इस दौरान प्रशांत कुमार ने अपने भाई पर गंभीर आरोप लगाए। भाई पर आरोप लगाते हुए जीएसटी

भाई पर लगाए कई तरह के आरोप

अफसर ने बताया कि भाई विश्वजीत सिंह के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्वजीत सिंह ने अपने माता-पिता के साथ मारपीट भी की है, जिस मामले में एफआईआर भी दर्ज है। जीएस अफसर ने बताया कि भाई विश्वजीत सिंह मुख्तार अंसारी के मऊ गैंग का सक्रिय सदस्य है और उसका फाइनेंशियल एडवाइजर भी रहा है।

145 किस्मों के गुलाब और 85 प्रजाति के फूल आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान का 3 से कर सकेंगे सब दीदार

नई दिल्ली। दिल्ली में राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान मंगलवार से आम लोगों के लिए खुल जाएगा। यहां 145 किस्मों के गुलाब और 85 प्रजाति के फूल-पौधे आकर्षण का केंद्र हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को उद्यान के विंटर एनुअल एडिशन का उद्घाटन करेंगी। अमृत उद्यान 3 फरवरी से 31 मार्च तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। लोग हफ्ते में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक उद्यान घूमने आ सकते हैं। उद्यान में आखिरी प्रवेश शाम पांच बजे तक दिया जाएगा। सोमवार को उद्यान बंद रहेगा। इस वर्ष आगंतुक ट्यूलिप और अलग-अलग तरह के गुलाब के अलावा बैबलिंग ब्रूक - झरनों वाली पानी की धारा और रिफ्लेक्सोलॉजी पाथ वाले बरगद के बगीचे का दीदार कर सकते हैं। उद्यान में बाल वाटिका, प्लूमेरिया गार्डन, बरगद, बोनसाई, सेंट्रल लॉन, लॉन्ग व सर्कुलर गार्डन देख सकते हैं। यहां गुलाबों की भीम, अर्जुन, कृष्णा व अश्वनी किस्में खास हैं। अमृत उद्यान में पौधों की पहचान के लिए क्यूआर कोड लगाए गए हैं, इससे आगंतुक पौधों के वनस्पतीय नाम और अन्य विवरण सहित प्रत्येक प्रजाति के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गोयल ने तमिलनाडु सरकार को घेरा

सीएम स्टालिन भ्रष्ट व भारत विरोधी, भाजपा की जीत तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि तमिलनाडु के लोग डीएमके से तंग हैं। यह एक अक्षम और 'भयंकर भ्रष्ट' सरकार है और यह तमिल विरोधी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। तमिलनाडु चुनाव प्रभारी गोयल ने कहा कि विधानसभा में भाजपा के लिए जीत कठिन नहीं होगी। यहां भाजपा को अभिनेता विजय को बुलाने की जरूरत नहीं है।

डीएमके सरकार अक्षम भ्रष्टाचार में डूबी

तमिलनाडु के प्रभारी मंत्री गोयल ने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध की भावना है। यह एक अक्षम और महा भ्रष्ट सरकार है। स्टालिन पूरी तरह से तमिल विरोधी संस्कृति और भारत विरोधी रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला एनडीए (जिसमें भाजपा भी शामिल है) गठबंधन यह चुनाव जीतेगा और अच्छी शासन व्यवस्था वापस लाएगा।

भारत में वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। वहीं, देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं, जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। कह सकते हैं कि एविएशन सेक्टर में एक तरफ विकास की अपार संभावनाएं हैं तो दूसरी तरफ चुनौतियां भी मौजूद हैं। इसके लिए सरकार को इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत बनाना होगा, ताकि विमान हादसों पर यथासंभव रोक लगाई जा सके। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

चुनौतियों से घिरीं वायुमार्गीय यात्राएं

विश्लेषण
विकेश कुमार बडोला
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में हुई विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

विमानों के माध्यम से वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो ही रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। सीडीएस विपिन रावत का हेलिकॉप्टर, गुजरात में बोइंग विमान और अब महाराष्ट्र में अजित पवार का निजी विमान, सभी भयंकर रूप में दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

हवाई पट्टियों का समुचित प्रबंधन

नवीन विमान दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत क्षति नहीं है, बल्कि इसने हमारे देश के विमानन सुरक्षा नवाचार तथा विशेष रूप में लघु नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हवाई पट्टियों के समुचित प्रबंधन पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अजित पवार की मृत्यु ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वायुमार्गीय वीआईपी आवागमन की समयावधि में सुरक्षा के उच्चतम मानकों में थोड़ी सी भी चूक प्राणघाती सिद्ध हो सकती है। अभी भारत में कई ऐसी हवाई पट्टियां हैं जो जनपदीय प्रशासन के अधीन हैं, जहां नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के निर्दिष्ट मानकों का पूर्ण पालन प्रायः चुनौतीपूर्ण होता है।

इस स्थिति में हवाई पट्टियों का समुचित संचालन अत्यावश्यक हो जाता है, और ऐसा होने पर ही वायुमार्ग का आवागमन सुरक्षा की परिधि में हो सकता है। विमान दुर्घटनाओं की त्रासदी के आलोक में, वीआईपी आवागमन को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित करने के लिए अनेक कार्य करने होंगे। इसके लिए सर्वप्रथम विमानन के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण आवश्यक है।

नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य

देश में अधिसंख्य अस्थायी अथवा लघु आकार की हवाई पट्टियों पर रात्रि में विमान को उतारने की सुविधाएं व प्रबंधकीय व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं। प्रतिकूल वातावरण में नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य हैं। जो सुविधाएं हैं, वे भी पुरानी हैं। इस दिशा में जो भी सुधार किए जाने हैं, वे तत्काल प्रभाव से युद्ध स्तर पर किए जाने चाहिए। इसके अंतर्गत सभी सक्रिय हवाई पट्टियों पर सटीक दृष्टिकोण पथसंकेतक लगाये जाएं। आधुनिक प्रकाश प्रणाली स्थापित की जाएं। रनवे की सतह और उसकी लंबाई का नियमित रूप में सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो। मौसम संबंधी पूर्वानुमान प्रणाली को दुर्घटनाओं की चुनौतियों के अनुसार सुदृढ़ किया जाना चाहिए। पहाड़ी या तटीय क्षेत्रों में, जहां मौसम क्षण-प्रतिक्षण परिवर्तित होता रहता है, वहां के लिए विशिष्ट पूर्वानुमान प्रणालियां सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित हों। उड़ानों के लिए केवल सामान्य मौसमीय जानकारी पर निर्भर रहने की तुलना में, हवाई पट्टियों पर प्रतिक्षण की मौसमीय जानकारी देने वाले स्वचालित मौसम सूचना प्रणालियां स्थापित की जाएं। विमान चालकों को उड़ान भरने से ठीक पहले मौसम की उपयुक्त जानकारी सुनिश्चित की जाए।

उड्डयन मानकों का पालन

प्रायः देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं। जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होगा। वीआईपी आवागमन का अंतिम निर्णय विमान चालक के स्तर पर होना चाहिए। वहीं निश्चित करें कि उड़ान भरी जानी है अथवा स्थगित करनी है। यदि विमान चालक मौसम या तकनीकी कारणों से उड़ान भरने से मना करता है, तो बिना किसी प्रशासनिक दबाव के उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त समय-निर्धारण की कार्यसंस्कृति विकसित की जाए, जिसमें निर्धारण हेतु निर्णायक की भूमिका में विमान चालक ही हो। उड्डयन संबंधी जो भी मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित है, उसका हर परिस्थिति में कठोरतापूर्वक पालन हो। वैसे तो नागरिक उड्डयन महानिदेशक के पास वीआईपी आवागमन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश होते हैं, किंतु धरातल पर इनका पालन नहीं होता। देखा गया है कि राजनीतिक मनमर्जी ऐसे दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने देती। इस स्थिति पर उड्डयन संबंधी नियमों का कठोर नियंत्रण सुनिश्चित होना चाहिए।

ईंधन गुणवत्ता की सघन जांच

उड़ान से पूर्व विमानों की तकनीकी उपयुक्तता का प्रमाणपत्र तथा ईंधन की गुणवत्ता की द्विस्तरीय सघन जांच होनी चाहिए। विमान को भूमि पर उतारने तथा उड़ान की समयावधि में विमान स्थल के कर्मचारियों और अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत अनिवार्य हो। विमान चालकों का प्रशिक्षण यदि गुणवत्तापूर्ण होगा तथा यदि उनके अधि कार्यघंटों को ध्यान में रख समुचित विश्राम देने का प्रबंधन नियमित होगा, तो भी दुर्घटनाओं की संभावनायें कम होंगी।

चालकों को हो विशेष अनुभव

देखा जाता है कि प्रायः एक ही चालक दल निरंतर कई यात्राओं में उड़ान व्यस्त होता है। यह स्थिति तत्काल प्रभाव से बदली जानी चाहिए। वीआईपी उड़ानों के लिए चालकों का विशेष अनुभव भी निर्धारित होना चाहिए। उन्नत संचार तकनीकों की भी वायुमार्गीय विमान यात्रा को सुरक्षित करने में व्यापक भूमिका हो सकती है।

इसके साथ ही, ध्यान रहे कि जिनके पास इनके संचालन का कार्यदायित्व हो, वे कार्य के प्रति निष्ठापूर्वक होकर समर्पित रहें।

संभावनाओं के साथ चुनौतियां भी कम नहीं

दृष्टिकोण
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

भारत का एविएशन सेक्टर दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। पिछले कुछ सालों में हवाई यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत बढ़ी है, लेकिन विमानों की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस साल एविएशन सेक्टर का भविष्य मिश्रित दिखाई देता है। एक तरफ विकास की संभावनाएं हैं, दूसरी तरफ चुनौतियां - जैसे विमान और पायलटों की कमी तथा वित्तीय नुकसान। सबसे पहले, विमानों की कमी की वजह समझते हैं। भारत में एयरलाइंस जैसे इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट तेजी से फैल रही हैं। विमान बनाने वाली कंपनियां जैसे बोइंग और एयरबस समय पर विमान नहीं दे पा रही हैं। सप्लाई चेन की समस्या, कच्चे माल की कमी और मजदूरों की कमी से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। जानकारों का मानना है, 2026 में घरेलू हवाई यात्री ट्रैफिक में सिर्फ 0-3% की बढ़ोतरी हो सकती है। वैश्विक स्तर पर देखें तो अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की रिपोर्ट कहती है कि 2026 में हवाई यात्री ट्रैफिक में 4.9% की बढ़ोतरी होगी। भारत इसमें बड़ा योगदान देगा, क्योंकि यहां अर्थव्यवस्था मजबूत है और मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। 2026 में एविएशन सेक्टर कैसा रहेगा? सकारात्मक पक्ष से शुरू करें। बोइंग ने घोषणा की है कि 2026 में भारतीय एयरलाइंस को 25 नए विमान दिए जाएंगे। यह क्षमता बढ़ाएगा और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। कुल मिलाकर, भारत का फ्लीट 2026 में 100 से ज्यादा विमानों से बढ़ सकता है। एयरबस का अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल फ्लीट तीन गुना होकर 2250 विमानों तक पहुंच जाएगा। अभी यह 850 के आसपास है। यूनियन बजट में एविएशन पर फोकस है। इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, एयरपोर्ट क्षमता बढ़ाना और सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। विंग्स इंडिया 2026 जैसे इवेंट में नए सौदे और निवेश की बात हो रही है। बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइसल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं। जानकारी के अनुसार, 2026 में वैश्विक स्तर पर 120 बिलियन डॉलर के नए विमान डिलीवर होंगे। भारत में पायलटों की कमी एक बड़ी समस्या है। बिजनेस एविएशन में पायलट शॉर्टेज और मेंटेनेंस की दिक्कतें हैं। 2035 तक 35,000 पायलटों की जरूरत होगी, अभी सिर्फ 12,000 हैं। टेक्निकल स्टाफ भी तीन गुना बढ़ाना पड़ेगा। अब बात सुधार की। एविएशन सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, सरकार को इंफ्रास्ट्रक्चर पर और निवेश करना चाहिए। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि एविएशन, पोर्ट्स और शिपिंग में मजबूत ग्रोथ होगी, और जीडीपी ग्रोथ 7% तक पहुंच सकती है। 10 सालों में 200 एयरपोर्ट हो सकते हैं, अभी 150 हैं। मेक इन इंडिया के तहत विमान पार्ट्स बनाने वाली फैक्टरियां लगाएं। बोइंग और एयरबस से ज्यादा पार्टनरशिप करें। पायलट ट्रेनिंग के लिए नए संस्थान खोलें। मेंटेनेंस के लिए स्पेयर पार्ट्स की लोकल सप्लाई चेन बनाएं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, जैसे एआई से उड़ान शेड्यूल ऑप्टिमाइज करें और साइबर सिक्योरिटी मजबूत करें। एयरलाइंस को फाइनेंशियल सपोर्ट दें, जैसे टैक्स छूट। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) पर फोकस करें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे। 2025 में हुई दुर्घटनाओं से सीखें और ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाएं। कुल मिलाकर, अगर ये सुधार किए गए तो 2027 में ट्रैफिक 6-8% बढ़ सकता है। इस बाबत ईमानदारी से प्रयास किए जाने जरूरी हैं। बेशक, 2026 में भारत का एविएशन सेक्टर चुनौतियों से भरा रहेगा, लेकिन विकास की राह पर है। विमानों की कमी से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अधिकतर एयरलाइंसों का अपने मुसाफिरों को लेकर रवैया कोई बहुत सही तरह का नहीं रहता। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही अराजकता फैली रहती है। मुसाफिरों को यहां से वहां धक्के खाने पड़ते हैं। अगर सरकार, एयरलाइंस और मैन्युफैक्चरर्स मिलकर काम करें तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बन सकता है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देगा। उम्मीद है कि आने वाले महीनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइजल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं।

हवाई आधारभूत संरचना में मजबूती लाना जरूरी

मुद्दा
वरिष्ठ पत्रकार
योगेश कुमार सोनी

बीती 28 जनवरी को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना से पूरे राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार विजिबिलिटी कम होने की वजह से बारामती में रनवे नहीं दिखा और लैंडिंग की कोशिश नाकाम हो गई थी, इसलिए यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद से सवाल उठ रहे हैं कि विमान दुर्घटना की जांच को लेकर भारत में इसके लिए कितना इंफ्रास्ट्रक्चर है? और यह सच संपूर्ण रूप से बाहर आ पाता है या नहीं कि दुर्घटना किस वजह से हुई? कमर्शियल से लेकर प्राइवेट प्लेन तक दुर्घटनाओं की चपेट में आ रहे हैं। जबकि भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में प्लेन का सफर सबसे ज्यादा जोखिम भरा माना जाता है। चूंकि यदि छोटी सी भी घटना या प्लेन में कोई कमी हो जाए तो निश्चित तौर पर मौत तय है और इसलिए प्लेन की पूरी तरह से जांच होनी अनिवार्य होती है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ। आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में भारत में कुल 53 हवाई हादसे हुए हैं। इन हादसों में कुल 320 से ज़्यादा लोगों की जान गई है। जबकि करीब 180 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

वहीं, साल 1947 से लेकर अब तक हुए हादसों में 2,000 से अधिक लोगों की जान गई है। भारत में कुल 487 हवाई अड्डे और हवाई पट्टियां हैं जिनमें से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 137 का प्रबंधन करता है इनमें 34 अंतरराष्ट्रीय और कई घरेलू हवाई अड्डे शामिल हैं और भारत में लगभग 148 परिचालन हवाई अड्डे हैं, जो यात्रियों को कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। यह कमर्शियल व प्राइवेट दोनों के लिए हैं। देश में लगभग हर वर्ष एक बड़ा विमान हादसा हो रहा है। इससे तंत्र प्रणाली को सबक लेना चाहिए, चूंकि केवल बजट पारित करने के अलावा हाई टेक सिस्टम के साथ अपडेट होने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार खासतौर पर टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान मौसम का असर सबसे घातक साबित होता है। मौसम सीधे तौर पर विमान की विजिबिलिटी बैलेंस, इंजन कैपेसिटी और पायलट के निर्णय को प्रभावित करता है। खराब मौसम में एक छोटी-सी चूक भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी भी फ्लाइट के कुल समय का केवल 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा टेकऑफ और लैंडिंग में लगता है लेकिन 70 प्रतिशत से ज्यादा हवाई हादसे इसी चरण में होते हैं और इसके लिए हम किसी भी रूप में अपडेट नहीं हो पाते।

विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ।

यही कारण है कि हम विमान के हादसे की सही से जांच नहीं कर पाते। इसकी वजह से अधिकतर मामलों में सच सामने आ ही नहीं पाता। हमारा इंफ्रा उतना मजबूत नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय मुख्य काम हवाई अड्डों की योजना, सुरक्षा, विमान नियम बनाना और हवाई यातायात सेवाओं की देखरेख करना है, लेकिन इतने बड़े मंत्रालय के पास अधिकतर अपने कार्य से संबंधित उत्तर नहीं होता तो इसमें आम आदमी को सही उत्तर कहां से मिलेगा। यदि भारत में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़े तो उसके लिए हमारे पास अधिकतर रूट पर बहुत ज्यादा विकल्प नहीं है और स्थिति तो यह भी है कि बड़े-बड़े एयरपोर्ट के पास तक कॉलोनियां बसी हुई हैं। हम हादसों से पहले कभी जागते नहीं और कुछ दिन मात्र अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ते हैं। बहरहाल, कोई भी सरकार नहीं चाहती कि इस तरह के हादसे हों, लेकिन यदि किसी घटना की आशंका जिस वजह से ज्यादा हो, उस पर गंभीरता दिखाना सरकार का कर्तव्य माना जाता है। उड्डयन तंत्र प्रणाली को लेकर भी अब सजग होना अनिवार्य है। हमारे देश में हर रोज लगभग 6 लाख लोग हवाई सफर करते हैं। हवा में यात्रा करना भरोसा होता है सिस्टम पर, चूंकि एक विमान में 600 तक लोगों के बैठने की क्षमता होती है और उसके संचालित करने के लिए टीम होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बीते दशक भर में हमारे देश में सड़कों पर बहुत बड़े स्तर पर काम हुआ है और हम इसी तरह की उम्मीद हवाई यात्रा की तंत्र प्रणाली के लिए करते हैं ,चूंकि अब हवाई सफर करने वालों की संख्या हर रोज बढ़ रही है।

कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम पर भी ध्यान दे सरकार

व्यवस्था
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन क्रैश, साइबर अटैक, तकनीकी खराबियों और उड़ानों में अव्यवस्था ने सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। बजट 2026 से उम्मीद है कि सरकार कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत करेगी।

भारतीय एविएशन के लिए बीता हुआ साल बेहद मुश्किल साल रहा। एयर इंडिया का एक जानलेवा हादसा, एयरलाइंस और एयरपोर्ट सिस्टम पर साइबर अटैक, लगातार टेक्निकल खराबियां और दिसंबर में इंडिगो की बड़ी गड़बड़ी ने दिखा दिया कि सिस्टम कितना नाजुक हो गया है। इंडियन एविएशन सेक्टर आज जिस स्थिति में खड़ा है, उसे देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आसमान में उड़ान भरने की महत्वाकांक्षा और उसकी जमीनी हकीकत के बीच बेहद गहरा अंतर है। बीते दशक में भारत ने एविएशन के बुनियादी ढांचे, एयरपोर्ट्स, क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की संख्या के लिहाज से अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की है, लेकिन एयरलाइंस के ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और कम्पेटिटिव एनवायरमेंट के मोर्चे पर तीव्र संकट से गुजर रहे है। सवाल अहम है कि क्या भारत की एविएशन इंडस्ट्री जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसे सुरक्षित रखने वाले सिस्टम भी मजबूत हो रहे हैं? पहले चर्चा सिर्फ विस्तार (एक्सपेंशन) की होती थी, अब बात दबाव और जोखिम की होने लगी है।

यह विरोधाभास जितना चौंकाने वाला है, उतना ही चिंताजनक भी। भारत में एविएशन सेक्टर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास टिकाऊ तभी होगा, जब मार्केट स्ट्रक्चर हेल्दी हो, नीतियां संतुलित हों और रेगुलेशन स्ट्रॉन्ग हो। आज की स्थिति में इंडिगो जैसी कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी। भारतीय एविएशन सेक्टर को गौर से देखें तो यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है, जो अभी मुख्यतः इंडिगो और एयर इंडिया पर ही टिका है। भारी संख्या में फ्लाइट पैसेंजर होने के बावजूद दूसरी कोई एयरलाइंस इस इंडस्ट्री में प्रभावी नहीं है। एविएशन एक्सपर्ट के मुताबिक, यह कोई सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि खराब पॉलिसी का नतीजा है। पिछले 20 सालों में जब भी जेट

आज की स्थिति में इंडिगो जैसी विमान कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी है।

एयरवेज या किंगफिशर जैसी बड़ी एयरलाइंस डूबीं, तो उस समय भी सरकार की ओर से इन कंपनियों को बचाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अगर सरकार समय से कदम उठाती तो संभवतः आज हजारों नौकरियां सुरक्षित और हमारी हवाई क्षमता बेहतर होती। सरकार एविएशन सेक्टर में किसी भी तरह के नए निवेश को आकर्षित करने में विफल रही है। आज, सरकार की बहुप्रचारित 'उड़ान' योजना का हश्र देखिए। दावा था 2,500 रुपये में हवाई यात्रा का, लेकिन दिसंबर 2025 में सरकार खुद 1500 किमी से कम की उड़ानों के लिए 18,000 रुपये तक की कैपिंग (सीमा) लगा रही है। एकाधिकार की प्रवृत्ति को रोकने के लिए और अधिक एयरलाइंस की सख्त जरूरत है। वर्तमान में, भारतीय घरेलू विमानन बाजार पर मुख्य रूप से दो बड़े समूहों का वर्चस्व है, जिससे प्रतिस्पर्धा का संतुलन बिगड़ गया है। बाजार का लगभग 90 फीसदी हिस्सा केवल इन दो समूहों (इंडिगो और टाटा) के नियंत्रण में है। भारत में और एयरलाइंस की सख्त आवश्यकता है। नई एयरलाइंस न केवल किराया कम करने में मदद करेंगी, बल्कि परिचालन संकट के समय बाजार को स्थिरता भी प्रदान करेंगी। भारत का एविएशन उद्योग सालाना 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, यह दुनिया में सबसे तेज़ ग्रोथ है। उस हिसाब से नए निवेश को आकर्षित करना चाहिए। मौजूदा हालात से बचने के लिए सरकार को अपना लागत ढांचा तर्कसंगत बनाना चाहिए। अभी बेइंतहां टैक्स है, एयरपोर्ट ऑपरेटर्स यात्रियों से तरह-तरह के शुल्क ले रहे हैं। जीएसटी आदि के नाम पर भी तरह तरह के टैक्स हैं। इन सारी वजहों से इस सेक्टर पर नए निवेश नहीं आ पा रहे हैं।

दूसरी सलाह है, बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा तय की जानी चाहिए और 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए। भारत यदि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनना चाहता है तो उसे नीतियों को विस्तार से परे जाकर गहराई में सुधारना होगा। सबसे पहला उपाय होना चाहिए, एटीएफ को जीएसटी में लाना, दूसरा डीजीसीए को अधिक स्वायत्त, सशक्त और उत्तरदायी संस्था बनाया जाए, तीसरा यात्रियों को यूरोपीय मॉडल की तरह मुआवजे का कानूनी अधिकार मिले और चौथा नए खिलाड़ियों के प्रवेश को सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे। भारत का एविएशन सेक्टर आज आईसीयू में है। हमने 'प्रतिस्पर्धा' को मारकर 'एकाधिकार' को चुना है। 2009 के 'राष्ट्रीय परिवहन विकास नीति समिति' ने जिस वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का सपना देखा था, उसे आज 'सेल्फी पॉइंट्स' और महंगे एयरपोर्ट बर्गर में बदल दिया गया है।

सामाजिक चेतना के महानायक शिरोमणि संत रविदास

जयंती विशेष
डा. हवा सिंह
पूर्व कुलसचिव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

मध्यकालीन युग में वर्ण व्यवस्था संकीर्णता, कर्मकांडों व पाखंड़ों, आडंबरों और सामाजिक कुरीतियों का काल था। धर्म के क्षेत्र में पाखंड़वाद, अवतारवाद, बहु-देवतावाद, मूर्तिपूजा, पंथवाद फलफूल रहा था। पुरोहित वर्ग के स्वार्थ के कारण वर्ण का निर्णय गुणकर्म, श्रम के आधार पर न होकर जन्म के आधार पर होने लगा। समाज अनेक जातियों एवं उपजातियों में बंटा हुआ था और व्यवसाय के आधार पर उच्चतम एवं नीचता का भाव पैदा हुआ। धीरे-धीरे दलितों की सामाजिक स्थिति बिगड़ती गई। धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों तथा प्रवृतियों के कारण जन सामान्य हताशा के निबिडारन्य में भटक रहा था। ऐसे में सामाजिक संकीर्णता, धार्मिक कट्टरता और जातीय दंड धर्मिता की प्रतिष्ठा होना स्वाभाविक था। संपूर्ण हिंदू समाज विभिन्न सांचों और खांचों में बंटा हुआ था। अतः मध्यकालीन भारत दीनता, धार्मिक, अंधविश्वासों, छुआछात एवं सामाजिक विकृतियों का प्रतीक बन चुका था। विदेशी आक्रांता, शासक, हिंदुओं पर जुल्म ढा रहे थे और हिंदू भी धार्मिक रूढियों के आधार पर और अधिक बंटते जा रहे थे। कुल मिलाकर धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक परिस्थियां पतन का संकेत दे रहीं थी। जब-जब भी भारत की भूमि पर विनाशकारी शक्तियों का प्रभाव बढ़ा है, तब-तब किसी न किसी महापुरुष का जन्म हुआ है। मध्यकाल में भी कुछ ऐसा हुआ और संत रविदास अवतरित हुए, जिन्होने तत्कालीन व्यवस्था के प्रति विद्रोह के स्वर तीव्र किए। सुविधा वंचित और अपेक्षित वर्ग में जन्में संत रविदास ने मन चंगा तो कठौती में गंगा का उद्घोष देकर आंतरिक पवित्रता, निश्चलता और निर्बलता का मरहम स्पर्शी मंत्र देकर दिनहिन दलितों और अछूतों को उभारने तथा चेतना से भरा प्रयास किया। संत रविदास (रैदास) निर्गुण विचारधारा के उपासक थे। तत्कालीन समाज में शूद्र वर्ग की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी थी। उन्हें समाज में कोई प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं थी। वर्ग-भेद और जाति-भेद का घुन समाज को अंदर से खा रहा था। धार्मिक कट्टरता एवं अंधविश्वास सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग बन चुका था। अनुसूचित जाति के लोगों को शिक्षा से वंचित रखा जा रहा था। इस दुव्र्यव्स्था को देखकर संत रविदास ने आवाज उठाई। वे मानते थे कि मनुष्य जन्म से शूद्र पैदा नहीं होता। अतः उसकी पहचान गुणों के कारण होनी चाहिए। उनका मत था कि जाति कर्म के आधार पर निश्चित होनी चाहिए, न कि वंश परंपरा से। उन्होंने शूद्र जातियों में आत्मविश्वास की भावना पैदा करने के लिए अपने पदों, भजनों व साखियों में चमार शब्द का

संत रैदास ने सांस्कृतिक चिंतन को भी अपने काव्य में वर्णित किया है। वे मानवतावादी संत थे, इसलिए उनके साहित्य में मानव मात्र की भावना एक मूल सूत्र की तरह विद्यमान है।

बार-बार प्रयोग किया। रविदास ने कहा कि मुझे चमार होने का कोई दुःख नहीं है। संत रविदास का मत था कि चमार शब्द कार्य से जुड़ा हुआ है। कर्म ही मद्भगवदगीता का मूल मंत्र है। उनकी मान्यता थी कि कोई जाति से बुरा या नीच नहीं होता, अपितु कर्म के अनुसार मानव के गुणों व अवगुणों की पहचान से होता है। उन्होने अपने पदों व साखियों में सत्य, संतोष, श्रम, सदाचार, अहिंसा, दया करूणा व सत्संगती का संदेश दिया। उन्होंने सच्चे ह्रदय से भक्ति करने पर बल दिया। गुरु रैदास भक्ति आंदोलन के महान संत, कवि, विचारक व समाज सुधारक थे। उन्होंने स्वामी रामानंद से शिक्षा और दीक्षा ग्रहण की। उन्होंने निर्गुण ईश्वर की भक्ति पर जोर दिया, जिसे किसी भी जाति या वर्ग का व्यक्ति प्राप्त कर सकता है। उनकी सनातन धर्म में आस्था थी। उनकी वाणी में राम ओर हरि का जप प्रमुखता से मिलता है। उस समय भारतीय समाज हिंदू और मुस्लमान दो भागों में बंटा पड़ा था, परंतु रैदास जी ने इन दोनों में मित्रता और एकता की आवश्यकता को अनुभव किया। इन दोनों धर्मों के ईष्टों राम और रहीम को एक ही ब्रह्म के रूप में प्रतिष्ठित कर इनमें एकत्व की भावना का संचार किया। कृष्न करीम, राम हरि, राघव जब लग एक न पेखा। वेद, कतेब, पुरानन सहज, एक नहीं देखा।। रैदास ने अपनी वाणी के माध्यम से आध्यात्मिक, बौद्धिक व सामाजिक क्रांति का नेतृत्व किया। उनका मत था सारा मानववंश एक ही प्राण तत्व से जीवित है। उनका विश्वास था कि सामाजिक परिवर्तन के लिए हमें समाज का इंतजार नहीं करना चाहिए बल्कि खुद ही उसको बदलने की अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। रैदास के दृढ संकल्प और बौद्धिक ज्ञान की ताकत से लाखों लोगों की जिंदगी में बदलाव आया। उनके अध्यात्मिक ज्ञान से प्रभावित होकर मीरां बाई उनकी शिष्या बनी। उनके भजन, पद व कविताएं सिखों के पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल हैं। संत रैदास ने अपनी पवित्र वाणी व भक्ति के ओत-प्रोत भजनों से दलित समाज को चेताया और सनातन धर्म की मुख्य धारा में जोड़ने का एक ऐतिहासिक कार्य किया। संत रविदास ने अपने सांस्कृतिक चिंतन को भी अपने काव्य में वर्णित किया है। वे मानवता वादी संत थे, इसलिए उनके साहित्य में मानवमात्र की भावना एक मूल सूत्र की तरह विद्यमान है। उनके काव्य में सभी संस्कृतियों की एकता के सुंदर भावों के दर्शन होते हैं, जिसकी राष्ट्र को सदा आवश्यकता बनी रहेगी।

शिरोमणि संत रैदास ने एक आदर्श राष्ट्र की कल्पना की थी, जो उनके सपनों का बेगमपुरा था। वे जीवंत पर्यंत एक ऐसे सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक आदर्श समाज की संरचना में संलग्न रहे, जहां पारस्परिक घृणा, वैमनस्य एवं जाति-पाति भेदभाव लेशमात्र भी न हो तथा स्वतंत्र समता, ममता और एकता का साम्राज्य हो। उस महान संत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम वर्तमान भारत को उनके सपनों का बेगमपुरा बनाने का व्रत धारण करें।

एलेना ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में आर्यना को 6-4, 4-6, और 6-4 से दी मात

रिबाकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व नंबर 1 सबालेंका को हराया, पहली बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

एलेना रिबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया और अपना पहला खिताब जीता। इस रोमांचक तीन-सेट की जीत के साथ, रिबाकिना ने 2023 के फाइनल में सबालेंका से मिली हार का बदला भी पूरा कर लिया।

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

साल 2026 के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब पर वर्ल्ड नंबर चार एलिना रिबाकिना ने कब्जा जमाया। वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका साल 2023 और साल 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद इस बार हैट्रिक लगाने उतरीं थी। लेकिन उनके सपने को रिबाकिना ने तोड़ा और महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में 6-4, 4-6, और 6-4 से हराया।

इसके साथ ही कजाखस्तान से आने वाली रिबकिना ने अपने करियर का दूसरा और पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इससे पहले रिबकिना ने साल 2022 मे विंबलडन का खिताब जीता था।

पहली ही सर्विस नहीं बचा सकीं सबालेंका

ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में पहली सर्विस सबालेंका ने की लेकिन रिबकिना ने पहली बार में ही सबालेंका की सर्विस को ब्रेक कर दिया। बाद में फिर अपनी सर्विस पर पकड़ बनाए रखी और रिबकिना ने पहले सेट को 6-4 से अपने नाम किया। पहले सेट में सबालेंका ने चार एस लगाए लेकिन फिर भी दो एस शॉट लगाने वाली रिबाकिना ने जीत दर्ज की।

सबालेंका ने की वापसी

दूसरे सेट में सबालेंका ने पहले अपनी सर्विस पर गेम जीता। इसके बाद दूसरे गेम में रिबकिना ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और अपनी सर्विस ब्रेक नहीं होने दी। जबकि बाद में रिबकिना अपनी सर्विस नहीं कभा सकीं तो उनको दूसरे सेट में 4-6 से हार का सामान करना पड़ा।

तीसरा सेट जीत रचा इतिहास

तीसरे सेट में रिबकिना दूसरे गेम में अपनी सर्विस गंवा बैठी लेकिन बाद में फिर उन्होंने शानदार विनर्स लगाते हुए सबालेंका को बैकफुट पर धकेला, जिससे वो दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठीं और बाद में फिर रिबाकिना ने उनको वापसी करने का मौका नहीं दिया। इससे तीसरे सेट को रिबकिना ने 6-4 से अपने नाम करने के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता और वह कजाखस्तान के लिए इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली महिला टेनिस खिलाड़ी बनीं। जबकि सबालेंका लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम नहीं कर सकीं।

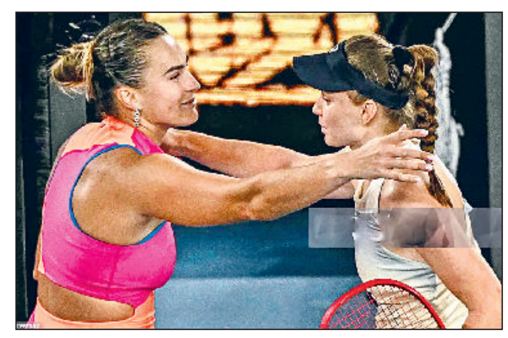

इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच-अल्कारेज

थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरेट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रोड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ। ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्कारेज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया।

सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की राह पर अल्कारेज

स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्कारेज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद जोकोविच ने कोर्ट को धन्यवाद दिया कि वह सिनर के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला खत्म करने और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार सेमीफाइनल हार का सिलसिला तोड़ने के दौरान उनके साथ थीं। जोकोविच ने कहा, 'कुछ दिग्गज सुबह दो बजे तक जागते रहे!' उन्होंने कहा, 'यहां आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।'

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड है। उन्होंने रोजर फेडरर और रफेल नडाल के बनाए रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। उनके पास सेरेना विलियम्स से एक अधिक खिताब है। सेरेना के नाम महिलाओं के ओपन युग के रिकॉर्ड 23 एकल खिताब हैं। जोकोविच ने यह बात नहीं छिपाई है कि वह सिर्फ 25वें खिताब के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। 'सिनकारेज' (सिनर और अल्कारेज को मिलाकर) प्रतिद्वंद्विता के एक हिस्से को तोड़ने के बाद जोकोविच को मेलबर्न पार्क में अपने करियर के 11वें फाइनल में एक और खिताब जीतने का मौका मिलेगा। उन्होंने अब तक सभी 10 फाइनल जीते हैं।

किशन मैन आफ द मैच

ईशान का पहला टी-20 शतक, अर्शदीप के पांच विकेट से भारत 46 रन से जीता

▶▶| न्यूजीलैंड से 4-1 से जीती सीरीज

तिरूवनंतपुरम (भाषा)। ईशान किशन के पहले टी-20 शतक ने स्थानीय सितारे संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी-20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली। भारत के लिये ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाये जिसमें छह चौके और दस छक्के शामिल थे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई। भारत के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिए और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर चार विकेट चटकाये। न्यूजीलैंड के लिये फिन एलेन ने 38 गेंद में 80 रन बनाये लेकिन लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। एलेन ने अर्शदीप को पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद अर्शदीप के दूसरे ओवर में चार चौके और एक छक्के समेत 23 रन निकाले। वह बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट लिये।

सूर्यकुमार यादव बने मैन आफ द सीरीज

भारत-271/5 (20)

खिलाड़ी	रन
अभिषेक शर्मा बो फर्ग्युसन	30
संजू का जैकब्स बो फर्ग्युसन	6
ईशान का फिलिप्स बो डफी	103
सूर्यकुमार स्ट सीफर्ट बो सेंटनेर	63
पंड्या का जैकब्स बो जैमीसन	42
रिंकू सिंह नाबाद	8
शिवम दुबे नाबाद	7

अतिरिक्त : सात रन
योग: 20 ओवर में पांच विकेट पर 271 रन
विकेट पतन : 1-31, 2-48, 3-185, 4-233, 5-261
गेंदबाजी: डफी 4-0-53-1, जैमीसन 4-0-59-1, फर्ग्युसन 4-0-41-2, सोढी 3-0-48-0, फिलिप्स 1-0-10-0, सेंटनेर 4-0-60-1

न्यूजीलैंड-225/10 (19.4)

खिलाड़ी	रन
सीफर्ट का पंड्या बो अर्शदीप	5
फिन एलेन का सिंह बो पटेल	80
रचिन का पटेल बो अर्शदीप	30
ग्लेन फिलिप्स का सिंह बो पटेल	7
डेरिल मिचेल बो अर्शदीप	26
सेंटनेर का यादव बो अर्शदीप	0
बेवोन जैकब्स बो वरूण	7
काइल जैमीसन बो अर्शदीप	9
ईश सोढी का अर्शदीप बो सिंह	33
लॉकी फर्ग्युसन बो पटेल	3
जैकब डफी नाबाद	9

अतिरिक्त : 16 रन
योग : 19.4 ओवर में 225 रन
विकेट पतन : 1-17 , 2-117 , 3-131, 4-137 , 5-137 , 6-166 , 7-179 , 8-180 , 9-191
गेंदबाजी- अर्शदीप 4-0-51-5, पंड्या 2-0-15-0, बुमराह 4-0-58-0, वरूण 4-0-36-1, अक्षर 4-0-33-3, अभिषेक 1-0-13-0, रिंकू 0.4-0-7-1

मर्टेन्स- झेंग और हैरिसन-स्कुप्स्की ने जीता युगल का खिताब

मेलबर्न। एलिस मर्टेन्स ने चीन की झेंग शुआई के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर महिला युगल में नंबर एक रैंकिंग पर वापसी की जबकि अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की ने पुरुष युगल खिताब जीता। चार साल बाद एक टीम के तौर पर वापसी करने वाली मर्टेन्स और झेंग पहले सेट में 0-3 और 1-4 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए कजाखस्तान की एना डैनिलिना और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रूनिक को 7-6, 6-4 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में हैरिसन ने मैच प्वाइंट पर ऐस लगाकर स्कुप्स्की के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। कुबलर का अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम फाइनल में उतरने से पहले जीत-हार का रिकॉर्ड 14-3 था।

खबर संक्षेप

स्क्वाश ऑन फायर के सेमीफाइनल में अनाहत

वाशिंगटन। अनाहत सिंह ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वाशिंगटन में स्क्वाश ऑन फायर ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में मिस्त्र की दूसरी वरीय सना इब्राहिम को हराया। भारत की दुनिया की 31वें नंबर की खिलाड़ी और सातवीं वरीय अनाहत ने तीसरे और चौथे गेम में 5-6 से पिछड़ने के बाद मुकाबले में वापसी की और पीएसए कांस्य स्तर प्रतियोगिता में मिस्त्र की दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी को 8-11, 8-11, 11-7, 11-8, 11-7 से हराया। अनाहत का सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की सबरीना सोभी से होगा।

शर्मा संयुक्त चौथे स्थान पर, युवराज कट से चूके

बहरीन। दो अंडर 70 के स्कोर के साथ बाप्को एनर्जीस बहरीन चैंपियनशिप में दो दौर के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। पिछले सप्ताह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक में कट से चूके शर्मा ने कुल आठ अंडर 36 स्कोर किया। युवराज संधू दो अंडर का ही स्कोर कर सके और कट में प्रवेश से चूक गए। कैलम हिल ने दूसरे दौर में 61 स्कोर करके चार शॉट की बढत बना ली है।

रणजी ट्रॉफी एलीट

बंगाल ने हरियाणा को 188 रनों से हराया, ढाई दिन में मैच खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

चौधरी बंसीलाल स्टेडियम में खेल गए रणजी ट्रॉफी एलीट के मैच में बंगाल ने हरियाणा को 188 रन से हराया। बंगाल के शाहबाज अहमद को मैन ऑफ मैच चुना गया। बंगाल की ओर से पूरे मैच में शाहबाज ने 11 व आकाश दीप ने 6 विकेट लिए। हरियाणा की ओर से पूरे मैच में अमित ने 6 और तंमय और अंशुल कंबोज ने पांच-पांच विकेट लिए। मैच लगभग ढाई दिन में ही खत्म हो गया। तीसरे दिन बंगाल की टीम ने दूसरी पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 155 रन से आगे खेलना शुरू किया और 200 रन पर पूरी टीम ऑलआउट हो गई। हरियाणा को 294 रन का लक्ष्य मिला। बंगाल की ओर से अभिमन्यू ने 83 और सुदीप ने 61 रन बनाए। हरियाणा की ओर से अंशुल ने चार व अमन, तंमय व अमित ने दो-दो विकेट लिए। हरियाणा की दूसरी पारी में शुरूआत तो अच्छी रही। पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। 44 रन पर हरियाणा के लगातार तीन विकेट गिर गए और टीम संकट में आ गई। हरियाणा की ओर से कोई भी बल्लेबाज टीम को संकट से उबार नहीं पाया और पूरी टीम 105 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई।। हरियाणा की ओर से कप्तान अंकित ने 25 व युवराज ने 22 रन बनाए। बंगाल की ओर से शाहबाज ने 6 और मुकेश ने दो विकेट लिए। इससे पहले बंगाल ने पहली पारी में 193 रन बनाए थे। हरियाणा ने पहली पारी में 100 रन बनाए थे।

पिच ने दिखाया अपना रंग

लाहली मैदान की पिच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह अक्सर गेंदबाजों को अच्छी मदद देती है। अतिरिक्त उछाल , मूवमेंट और स्पीन गेंदबाजों की गेंद यहां पर अच्छी घूमती है। ऐसा ही हरियाणा व बंगाल के बीच हुए मैच में हुआ। मैच लगभग ढाई दिन में ही खत्म हो गया। दोनों टीम की ओर से कोई भी टीम 200 रन से ज्यादा का स्कोर नहीं कर पाई।

टीम को खली ऑलराउंडर निशांत सिंधु की कमी

रणजी ट्रॉफी के पहले मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले पार्थ वत्स भी इस मैच कुछ खास नहीं कर पाए। इसके अलावा कप्तान अंकित का प्रदर्शन भी निराशा जनक रहा। वहीं, टीम को रोहतक के ऑलराउंडर निशांत सिंधु की कमी खली। निशांत चोट के चलते टीम से बाहर चल रहा है। निशांत गेंद व बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करके टीम जीत में अहम भूमिका निभाता है।

सिंधू ने एशिया टीम चैम्पियनशिप से नाम वापिस लिया

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने आगामी बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप से नाम वापिस ले लिया जिससे अगले सप्ताह शुरू हो रहे टूर्नामेंट में भारत की पदक उम्मीदों को करारा झटका लगा है। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने पैर की चोट के बाद हाल ही में कोर्ट पर वापसी की थी। सिंधू ने एशिया टीम चैम्पियनशिप से नाम वापिस ले लिया है। सिंधू ने पिछले साल भी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैम्पियनशिप 2025 से नाम वापिस ले लिया था।

पाक से हिसाब बराबर करने उतरेगा भारत

बुलावायो। पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी। किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसला अफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली।

टी20 वर्ल्ड कप : यूएई ने किया टीम का ऐलान, अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए यूएई ने मुहम्मद वसीम की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभव और युवा प्रतिभा का रणनीतिक संतुलन है। कप्तान वसीम और ऑल-राउंडर पराशर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों पर टीम के प्रदर्शन का दारोमदार होगा, जिनसे आक्रामक खेल की उम्मीद है।

जैसे-जैसे टी20 वर्ल्ड कप 2026 नज़दीक आ रहा है, पूरी क्रिकेट दुनिया की निगाहें इस बड़े टूर्नामेंट पर टिकी हैं। इसी कड़ी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आधिकारिक तौर पर अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिससे टूर्नामेंट को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। कप्तान के रूप में मुहम्मद वसीम की अगुवाई में यूएई की टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है। टीम चयन, प्रमुख खिलाड़ियों और उन रणनीतियों पर रोशनी डालता है जो यूएई को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सफलता दिला सकती हैं।

टी20 विश्व कप खेलेंगे मिलर, मिली मंजूरी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज डेविड मिलर को अगले सप्ताह शुरू हो रहा टी20 विश्व कप खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई। मिलर को एसए 20 के दौरान मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि वह रविवार को दक्षिण अफ्रीका टीम के साथ मुंबई रवाना होंगे। सीएसए ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा,'दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर को भारत और श्रीलंका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई है।' इसमें कहा गया, 'एसए 20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हुए मिलर की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था लेकिन इस सप्ताह उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वह रविवार को टीम के साथ जोहानिसबर्ग से मुंबई रवाना होंगे।'

टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने सैम

करन की जबरदस्त वापसी, हैट्रिक लेकर इंग्लैंड को दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶| पल्लेकेले

सैम करन ने पल्लेकेले में पहले टी20 में श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड को 11 रन से जीत (डकवर्थ लुईस स्ट्रेन) दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने पहले स्पेल में खूब रन लुटाने के बाद शानदार वापसी करते हुए हैट्रिक ली।

इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे करन को टी20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की टीम में भी शामिल किया गया है। वह टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले इंग्लैंड के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने। उनसे पहले क्रिस जॉर्डन ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका के खिलाफ ऐसा किया था। बारिश के कारण देरी से शुरू हुए मैच को 17-17 ओवर का कर दिया गया था। करन ने अपने पहले स्पेल में पहला और सातवां ओवर फेंका। उन्होंने पहले ओवर में 16 रन दिए और फिर सातवें ओवर में कुसल मेंडिस ने 20 रन बनाए। करन 16वें में गेंदबाजी के लिए लौटे तब श्रीलंका का स्कोर 125/6 था। स्पिनर आदिल राशिद और लियाम डॉसन ने शानदार गेंदबाजी की। मेजबान टीम के अच्छा स्कोर बनाने की उम्मीदें दासुन शनाका और वानिंदु हसरंगा पर टिकी थीं।

करन ने ली हैट्रिक

करन ने ओवर की चौथी गेंद पर शनाका को मिडऑफ पर कैच आउट करवा दिया। इसके बाद अगली ही गेंद पर महेश तीक्षणा लॉन्ग ऑन पर कैच आउट हो गए। फिर करन ने मतीशा पथिराना को बोल्ड करके ओवर और हैट्रिक पूरी की। हसरंगा अगले ओवर की दूसरी गेंद पर जेमी ओवरटन का शिकार हो गए और श्रीलंका की टीम 16.2 ओवर में सिर्फ 133 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

इंग्लैंड 11 रनों से जीता

फिर फिल साल्ट और जोस बटलर ने सिर्फ 17 गेंदों में 36 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। साल्ट मैच के आखिरी ओवर तक टिके रहे। वह 35 गेंदों में 46 रन बनाकर शनाका का शिकार हुए। उस ओवर के आखिर में बारिश फिर से शुरू हो गई। इंग्लैंड को 12 गेंदों में जीतने के लिए सिर्फ 10 रन चाहिए थे। इसके बाद और खेल नहीं हो सका और इंग्लैंड डकवर्थ लुईस स्ट्रेन नियम के तहत 11 रन आगे था।

बलूचिस्तान में एकसाथ 12 जगहों पर बलूच लिबरेशन आर्मी का बड़ा हमला

10 पुलिसकर्मियों की मौत, डिप्टी कमिश्नर का किया अपहरण, जवाबी सैन्य कार्रवाई में 57 लड़ाके मारे गए

बीएलए ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। बीएलए लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 57 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम 4 पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह 4 पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है।

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। पाकिस्तान के अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद देर रात से लेकर शनिवार दोपहर तक सुरक्षा बलों ने जवाबी अभियान चलाया। इन अभियानों के दौरान भारी गोलीबारी हुई और बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए। पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है। देश से आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर में किया हमला

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया

क्वेटा में सुरक्षाकर्मी धमाके वाली जगह का निरीक्षण करते हुए

सबसे गरीब राज्य है बलूचिस्तान

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है, जबकि यहां प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के मामले में यह देश के बाकी हिस्सों से काफी पीछे है। यह इलाका लंबे समय से हिंसा और विद्रोह से जूझ रहा है। यह खनिज संसाधनों से भरपूर दक्षिण-पश्चिमी प्रांत है, जिसकी सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां लड़ाके अक्सर सरकारी बलों, विदेशी नागरिकों और दूसरे प्रांतों से आए लोगों को निशाना बनाते हैं।

बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ रहा बीएलए

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) बलूचिस्तान का सबसे सक्रिय अलगाववादी संगठन माना जाता है। जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में बलूच अलगाववादियों ने दूसरे प्रांतों से आए पाकिस्तानी मजदूरों और विदेशी कंपनियों पर हमले तेज कर दिए हैं। उनका आरोप है कि ये लोग और कंपनियां बलूचिस्तान के संसाधनों का शोषण कर रही हैं। बीएलए अपनी गुरिल्ला शैली के लिए जाना जाता है। यानी पहाड़ी इलाकों में छिपकर सेना पर हमला करना और तुरंत वापस लौट जाना।

» पीएम शहबाज का कबूलनामा

कर्ज के लिए भीख मांगने में शर्म से झुका सिर

पाक के पीएम शहबाज शरीफ ने हाल ही में कारोबारियों और निर्यातकों को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक हालत पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा, तब उसे अपने मित्र देशों से कर्ज मांगना पड़ा, जिससे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। उन्होंने कहा कि कर्ज लेने की प्रक्रिया आसान नहीं होती। जब कोई देश कर्ज मांगता है तो उसे कई शर्तें और दबाव झेलने पड़ते हैं, जिनका कई बार कोई ठोस औचित्य भी नहीं होता। उन्होंने माना कि ऐसे हालात में देश को दूसरों की शर्तें माननी पड़ती हैं, चाहे वे उचित हों या नहीं। पाकिस्तान के कठिन समय में कई मित्र देशों ने मदद की।

पीएम मोदी से अरब लीग के विदेश मंत्रियों की मुलाकात

भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक

पीएम मोदी ने अरब देशों के साथ नए 'अवसरों' की जताई उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को नई दिल्ली में भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक (आईएएफएमएम) का आयोजन हुआ। इससे पहले अरब-लीग के विदेश मंत्रियों ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि अरब लीग के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करके अत्यंत प्रसन्नता हुई। अरब जगत भारत के विस्तारित पड़ोस का हिस्सा है, जो गहन सभ्यतागत बंधनों, जीवंत जन-संबंधों और अटूट भाईचारे के संबंधों के साथ-साथ शांति, प्रगति और स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता से जुड़ा हुआ है। हमें विश्वास है कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, व्यापार और नवाचार में बढ़ा हुआ सहयोग नए अवसरों को खोलेगा।

भारत और यूएई ने की सह-अध्यक्षता

इस महत्वपूर्ण बैठक की सह-अध्यक्षता भारत और संयुक्त अरब अमीरात करेंगे। इसमें अरब लीग के सभी 22 सदस्य देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि, अरब लीग के महासचिव के साथ हिस्सा लिया। भारत-अरब विदेश मंत्रियों की यह बैठक लगभग एक दशक बाद हो रही है। इससे पहले पहली बैठक 2016 में बहरीन में आयोजित की गई थी। दूसरी भारत-अरब एफएमएम से मौजूदा सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भारत और अरब देशों के बीच साझेदारी को और गहरा करने की उम्मीद है।

जयशंकर से मिले सोमालिया के विदेश मंत्री

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमालिया के विदेश मंत्री अब्दिसलाम अली से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच व्यापार, क्षमता निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कांसुलर और बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर उपयोगी और सकारात्मक बातचीत हुई। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत अफ्रीका, विशेषकर हॉर्न ऑफ अफ्रीका क्षेत्र में अपनी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ा रहा है।

खबर संक्षेप

किश्तवाड़ में मुठभेड़ जारी, 3 जवान घायल

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के डोलगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ के दौरान 3 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए उधमपुर के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स शामिल है।

दिल्ली के दंगे का आरोपी फैजान अदालत से बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान दंगे और आगजनी के आरोपी फैजान को बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन पक्ष के मामले में गंभीर असंगतियों का हवाला देते हुए कहा कि एकमात्र पहचान करने वाले गवाह की गवाही पर भरोसा करना सुरक्षित नहीं होगा।

कांगो की खदान धंसकी 200 लोगों की मौत

कांगो। अफ्रीकी देश कांगो रिपब्लिकन के पूर्वी हिस्से में रुबाया कोल्टैन खदान में लैंडस्लाइड हो गया है, जिसमें 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा बुधवार को हुआ, जब बारिश के मौसम में जमीन कमजोर हो गई और खदान ढह गई। गवर्नर के प्रवक्ता लुबुम्बा कंबेरे मुयिसा ने बताया कि इस लैंडस्लाइड में 200 से अधिक लोग मारे गए।

जिनमें खनन मजदूर, बच्चे और बाजार में सब्जी-फल बेचने वाली महिलाएं शामिल हैं। हालांकि, शुक्रवार शाम तक सटीक मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पाई थी, क्योंकि मलबे से शव निकालने का काम जारी है।

भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने की पुष्टि

जल्द ही दोनों देशों के बीच होगा एफटीए, नियमों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने दोनों देशों के बीच के मजबूत संबंध का जिक्र करते हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर जल्द समझौता होने की उम्मीद जताई है। इजराइली राजदूत ने जल्द व्यापार समझौता होने की पुष्टि करते हुए कहा कि इजराइल और भारत ने एफटीए पर बातचीत के लिए नियमों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी महीने में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल तेल अवीव की यात्रा करने वाला है। इस दौरान फ्री ट्रेड डील पर बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा की शुरूआती बातचीत आसान मुद्दों पर की जाएगी और उसके बाद ज्यादा जटिल मुद्दों पर एक राय बनाने के लिए बातचीत की जाएगी। इजराइली राजदूत ने उम्मीद जताई है कि व्यापार डील पर इसी साल समझौता होने की पूरी उम्मीद है।

इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार

इजराइली राजदूत ने कहाः आईएमईसी बेहद अहम

इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) पर बात करते हुए इजराइली राजदूत ने कहा कि यह बेहद अहम है। हम ट्रेड को आसान बनाने और सामान की लागत कम करने के लिए लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में इजराइल जोर दे रहा है। इजराइल में हमारी एक टास्क फोर्स है जो लॉजिस्टिक्स से निपटने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर काम कर रही है, क्योंकि हम ट्रेड को आसान बनाना चाहते हैं। हम सामान लाने-ले जाने की कीमत कम करना चाहते हैं और मुझे लगता है कि इससे सभी के लिए इकोनॉमिक खुशहाली आएगी।

गाजा में इजराइल के हमले में 2 परिवार के 12 लोगों की मौत

गाजा। गाजा में शनिवार को इजराइल ने हमला किया। इसमें 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिसमें 6 बच्चे भी शामिल हैं। गाजा पट्टी के अस्पतालों ने बताया कि हमले में 2 परिवारों के लोग मारे गए हैं। हमले उत्तरी और दक्षिणी गाजा में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और रिलीफ कैंप पर हुए। हमले की वजह से कैंप में आग लग गई। यह हमला ऐसे समय हुए जब रविवार को मिस्त्र बॉर्डर पर रफाह क्रॉसिंग खुलने वाली है, जो अमेरिका की मध्यस्थता वाले सीजफायर के दूसरे स्टेज का हिस्सा है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिकॉर्ड किया है कि 10 अक्टूबर से सीजफायर शुरू होने के बाद इजराइली फायरिंग से 500 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

अभ्यास 'अग्नि परीक्षा' से युद्ध की तैयारियों को दी धार

नई दिल्ली। भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने अरुणाचल प्रदेश में चार दिवसीय संयुक्त फायरिंग अभ्यास 'अग्नि परीक्षा' के दूसरे चरण (फेज-दो) का सफल आयोजन किया है। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों बलों के बीच समन्वय बढ़ाना और युद्धक तैयारियों को और अधिक मजबूत करना रहा। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने शुक्रवार को बताया कि 'अग्नि परीक्षा' अभ्यास का दूसरा चरण 25 से 28 जनवरी के बीच अरुणाचल प्रदेश के तेजू क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस चरण का मुख्य उद्देश्य अंतर-बल युद्धक तालमेल और परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना था।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान का बड़ा ऐलान

ईरान ने कहा अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुख्य मांगों को खारिज

अमेरिकी युद्धपोत के पास करेगा नौसैनिक अभ्यास

एजेंसी ▶▶ दुबई

अमेरिका ने ईरान की तरफ से अपना सबसे बड़ा बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें अमेरिकी जहाजों से टक्कर की दिशा में ईरानी स्पीडबोटों का आना भी शामिल है। वहीं इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने ट्रंप की मुख्य मांगों को खारिज कर दिया। अराघची ने कहा कि रक्षा रणनीतियां और मिसाइल प्रणालियां कभी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी।

अयातुल्ला खामनेई डोनाल्ड ट्रंप

ईरान के बंदर अब्बास में विस्फोट

ईरान के दक्षिणी बंदरगाह बंदर अब्बास में शनिवार को एक विस्फोट हुआ। ईरानी मीडिया ने कहा कि विस्फोट की जांच की जा रही है। बंदर अब्बास होरमुज की खाड़ी पर स्थित है, जो ईरान और ओमान के बीच एक अहम जलमार्ग है। दुनिया में जो तेल समुद्र के जरिए भेजा जाता है, 20 फीसदी इसी बंदरगाह से होकर गुजरता है।

ईरान का दावा- पहले से ज्यादा मजबूत हुए

ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातमी ने दावा किया है इस संघर्ष से ईरानी सेना को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का मौका मिला, साथ ही विरोधी पक्ष की रणनीति को भी बेहतर ढंग से परखा गया। इस युद्ध के बाद ईरान की मिसाइल प्रणाली, हवाई रक्षा और समग्र सैन्य क्षमता पहले से बेहतर और मजबूत स्थिति में है। उन्होंने इसे ईरान के लिए अनूठा अनुभव बताया, जिससे भविष्य में किसी भी हमले से निपटने की तैयारी और पुख्ता हुई है।

पूरी ताकत से दिया जाएगा जवाब

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी और सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली शमखानी ने कहा है कि किसी भी दुश्मन कार्रवाई का प्रभावी और डर पैदा करने वाला जवाब दिया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ईरान सिर्फ स.मुद्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक और उन्नत सैन्य विकल्पों के लिए पूरी तरह तैयार है। शमखानी ने कहा कि फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ने का मतलब यह नहीं कि अमेरिका को यहां बढ़त मिल गई है। यह हमारा क्षेत्र है, इसकी भौगोलिक स्थिति और ताकत को हम किसी भी बाहरी शक्ति से बेहतर जानते हैं।

नायडू से मिले फ्रांसीसी परिवहन मंत्री

विमानन साझेदारी पर हुई चर्चा एयर मोबिलिटी में करेंगे सहयोग

नायडू से फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने फ्रांस के परिवहन मंत्री फिलिप टाबारोट के नेतृत्व में आए फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह बैठक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत की आगामी राजकीय यात्रा से ठीक पहले आयोजित की गई, जिसे भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। मंत्री नायडू ने 'एक्स' पर लिखा कि फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से मिलकर उन्हें सम्मान महसूस हुआ। बैठक के दौरान भारत और फ्रांस के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। नायडू ने कहा कि तेजी से हो रहे शहरीकरण और बढ़ती कनेक्टिविटी की मांग को देखते हुए सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) और एडवांस्ड एयर मोबिलिटी जैसी भविष्य की तकनीकों पर द्विपक्षीय सहयोग को प्राथमिकता दी गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28